हम सीएम के काम तय नहीं करेंगे.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आकांक्षा रंजन का अनप्रिडिक्टेबल खेल... 11

वर्ष - 02, अंक - 95 | गाजियाबाद / बुधवार 08 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई की अंतिम यात्रा शियाओं के धार्मिक शहर कोम पहुंची

● जमकरान मस्जिद में जनाजे की नमाज हुई

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा मंगलवार को शियाओं के प्रमुख धार्मिक शहर कोम में निकाली जा रही है। तेहरान के बाद यहां भी लगातार दूसरे दिन लाखों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे

हैं। खामेनेई और उनके परिवार के दिवंगत सदस्यों के ताबूत जमकरान मस्जिद लाए गए, जहां आयतुल्ला जवादी अमोली ने जनाजे की नमाज अदा कराई। मस्जिद परिसर और आसपास की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। ड्रोन फुटेज में पूरा इलाका लोगों से खचाखच भरा दिखाई दिया। कोम शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। खामेनेई ने अपने शुरुआती धार्मिक जीवन में यहीं इस्लामी शिक्षा हासिल की थी।

डीएमके में आ जाओ 100 करोड़ ले जाओ

● मना करने पर मिली जान से मारने की धमकी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी घमासान के बीच टीवीके विधायक जी. सरवनन ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके में शामिल होने के लिए उन्हें करोड़ों रुपये का लालच दिया गया और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु के श्रीवैकुंटम विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक जी. सरवनन ने आरोप लगाया है कि उन्हें डीएमके में शामिल होने के लिए 30 करोड़, 50 करोड़ और यहां तक कि 100 करोड़ रुपये तक का प्रस्ताव दिया गया।

टीवीके विधायक जी. सरवनन ने दावा किया, कई लोग सीधे मेरे पास आए और कहा कि हम आपको 30 करोड़, 50 करोड़, यहां तक कि 100 करोड़ रुपये तक देंगे। बस आप डीएमके में शामिल हो जाइए। लेकिन जब मैंने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया, तो उन्होंने मुझे परेशान करना शुरू कर दिया और खुलेआम जान से मारने की धमकियां दीं। उन्होंने कहा कि अगर मैंने उनकी बात नहीं मानी तो मुझे खत्म कर दिया जाएगा।

अहमदाबाद ब्लास्ट केस में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

● 11 को उम्रकैद, 18 साल पहले 70 मिनट में 21 धमाके हुए थे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। निचली अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके

खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। आज जस्टिस एवाई कोगजे और समीर दवे की बेंच ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया। कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए।

नीट यूजी एग्जाम

बहुत बड़े बदलाव की तैयारी

● 2027 से 5-6 दिन में होगी यह परीक्षा, एनटीए घटाएगा सेंटर्स की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले के बाद इस परीक्षा में रिफॉर्म करने में जुटी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अगले साल यानी 2027 में होने वाली नीट यूजी परीक्षा को लेकर कुछ बड़े बदलाव किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 में होने वाली नीट यूजी परीक्षा 5-6 दिन में आयोजित होगी।

हर दिन 5 लाख कैंडीडेट्स होंगे परीक्षा में शामिल

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि एनटीए 2027 से नीट यूजी परीक्षा को 5-6 दिन में आयोजित कराएगी और जिन सेंटर्स पर यह परीक्षा होगी उनमें मुख्य रूप से केंद्रीय विद्यालय जैसे सरकारी इंस्टीट्यूशन्स शामिल होंगे। हर दिन लगभग 5 लाख उम्मीदवार परीक्षा में शामिल होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि एजेंसी बहुत जल्द इन बदलावों को लागू कर सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नीट के अलावा अन्य दूसरे हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के लिए एंट्रेंस एग्जाम कंडक्ट कराती है। एग्जाम की प्लानिंग के मुताबिक इसमें सरकारी स्कूल होंगे।

एनटीए में भी होंगे बदलाव!

एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने को बताया है कि नीट के पूरे ऑर्गनाइजेशन को ऊपर से लेकर नीचे तक बदलने की तैयारी है। एजेंसी में यह काम इसी साल अक्टूबर से पहले पूरा किए जाने की उम्मीद है। एनटीए में लगभग 150 पोस्ट पर उम्मीदवारों का चयन होना है। बता दें कि एनटीए में और नीट यूजी एग्जाम में यह बदलाव इस साल की नीट यूजी परीक्षा के लीक होने के बाद किए जा रहे हैं। पेपर लीक की घटना को लेकर शिक्षा मंत्रालय ने ये प्रस्ताव दिए हैं।

बंगाल गैंगरेप मर्डर केस में तीन लोग गिरफ्तार

● बारूईपुर में जिंदा बच्ची तालाब में फेंकी थी

पोस्टमॉर्टम में दावा-फेफड़ों-पेट में पानी मिला

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल पुलिस ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आनंद सरदार के तौर पर हुई है। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर उसे शहर के बाजार इलाके से पकड़ा। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या तीन हो गई है। मामले की जांच के लिए 6 लोगों की एसआईटी बनाई गई है। मासूम 4 जुलाई को लापता हुई थी। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि मासूम सहेली के

लिए गिफ्ट खरीदने निकली थी। जब बच्ची घर नहीं लौटी तो परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। बाद में रविवार को उसकी लाश सूर्यपुर हाट इलाके के तालाब में मिली थी।

भारत विस्तारवाद में भरोसा नहीं करता

● इंडोनेशिया की संसद में बोले पीएम मोदी, चीन को दिया सीधा संदेश ● रक्षा, स्वास्थ्य और समुद्री क्षेत्र को लेकर दोनों देशों के बीच समझौता

जकार्ता (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया के संसद को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंन भारत और इंडोनेशिया के सांस्कृतिक संबंध का हवाला दिया। आज भारत और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस मिसाइल और अस्त्र मिसाइल को लेकर सौदा किया है। उन्होंने देश की संसद को संबोधित करते हुए गुट निरपेक्ष आंदोलन को याद किया और

भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को याद किया। जिन्होंने इंडोनेशिया के साथ मिलकर गुट निरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी थी। इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो विकास के रास्ते पर चलता है न कि विस्तारवाद के। पीएम मोदी ने इंडोनेशिया की संसद से पहलगाम हमले का जिक्र किया।

भारत और इंडोनेशिया के लिए समुद्र कभी भी दूरी का प्रतीक नहीं रहा

पीएम मोदी ने कहा भारत और इंडोनेशिया के लिए समुद्र कभी भी दूरी का प्रतीक नहीं रहा है। यह हमेशा हमारे देशों के बीच एक पुल रहा है और हमारे साझा भविष्य के लिए अहम बना हुआ है। उन्होंने आगे कहा भारत और इंडोनेशिया के बीच जो सद्भावना और भरोसा है, उससे हमारे नागरिकों के लिए नए अवसर पैदा होने चाहिए। उन्होंने कहा जब भारत और इंडोनेशिया साथ खड़े होते हैं तो वे दुनिया का यह भरोसा मजबूत करते हैं कि लोकतंत्र अवसर पैदा करता है, लोकतंत्र भरोसा बनाता है और लोकतंत्र भविष्य को आकार देता है। आपको बता दें कि इंडोनेशिया का चीन के साथ दक्षिण चीन सागर में गहरा विवाद चल रहा है और इंडोनेशिया के भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के पीछे भी चीन ही वजह है।

- **भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया**- भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही। इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में भी मदद करेगा। ये समझौते पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हुए। मंगलवार को पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का दूसरा दिन है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया। पीएम मोदी ने इंडोनेशियाई संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा- यहां सर्वोच्च सम्मान मिलना सौभाग्य है। पीएम ने शाम को जकार्ता में भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया।

वायनाड में टैंकर-गाड़ियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी

● लैंडस्लाइड से अब तक 4 लोगों की मौत, कई लोग दबे

वायनाड (एजेंसी)। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल

हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मलबा हटाने के लिए भारी मशीनों की जरूरत होगी। लगातार बारिश के कारण काम रोक दिया गया था।

यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका - वायनाड, केरल के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका है। यानी मिट्टी, पत्थर और उसके ऊपर उगे पेड़-पौधों के ऊंचे-नीचे टीलों वाला इलाका। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, केरल का 43 फीसदी इलाका लैंडस्लाइड प्रभावित है। वायनाड की 51 फीसदी जमीन पर पहाड़ी ढलाने हैं। यानी लैंडस्लाइड की संभावना बहुत ज्यादा बनी रहती है। वायनाड का पठार वेस्टर्न घाट काफी ऊंचाई पर है।

● दान चोरी केस में मायावती ने चला अलग दांव

बोली-सपा, कांग्रेस और आप सबूत दिखाएं वरना बंद करें ड्रामा

● मायवती ने उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में भी जांच की उठाई मांग

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में दान चोरी मामले पर बचे घमासान के बीच बीएसपी की अध्यक्ष और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बड़े स्तर पर जांच की मांग उठाई है। मायावती ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम मामले में मुख्य प्रबंधकों की भी सही से जांच होनी चाहिए। इसके अलावा मायावती एक बार फिर प्रदेश के विपक्षी दलों पर बरसी हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर दान चोरी मामले में अगर सपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पास सबूत हैं तो उन्हें सार्वजनिक करें, वरना ये सब राजनीति करना बंद करें। मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा, यूपी के अयोध्या में श्री राम मंदिर के बाद अब उत्तराखंड में भी बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे में चोरी और गबन आदि होने का मामला काफी सुर्खियों में है। इन दोनों विख्यात धार्मिक स्थलों में इनके ट्रस्ट से जुड़े

मुख्य प्रबंधकों की भी सही से जांच होनी चाहिए। वरना फिर, आगे चलकर इनकी आड़ में इनके स्थान पर दूसरे बने मुख्य प्रबंधक भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। मायावती ने आगे कहा, ऐसी आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ी हुई है, तो उसके लिए या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत है या फिर उनकी लापरवाही की वजह से यह सब कुछ हुआ है। इसलिए, इस प्रकरण की अब सही से जांच होना बहुत जरूरी है और इस मामले में सरकार व एसआईटी को भी विशेष ध्यान देना है।

● केतन अग्रवाल मर्डर केस में सनसनीखेज खुलासा

सिया ने प्रेमी चेतन से पहले ही कर ली थी चुपके से शादी

● पुलिस सिया गोयल के दो दोस्तों से कर रही है पूछताछ

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चर्चित केतन अग्रवाल मर्डर केस में अब तक सबसे बड़ा खुलासा सामने आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार केतन की मंगेतर सिया गोयल ने चार महीने पहले ही बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी से शादी कर ली थी। केतन की हत्या के आरोप में सिया और चेतन चौधरी जहां जेल में बंद हैं तो वहीं दूसरी ओर पुलिस अब और कड़ियां जोड़ने में जुटी है, ताकि इस मामले को और पुख्ता किया जा सके। पुलिस सिया गोयल के दो कॉलेज दोस्तों से पूछताछ कर रही है। इस मामले की जांच पुणे ग्रामीण पुलिस की लोनावाला थाना पुलिस कर रही है। जांच को एसपी ग्रामीण खुद सुपरवाइज कर रहे हैं। केतन के पिता के आग्रह पर सरकार ने

इस मामले में उज्जवल निकम को सरकारी वकील नियुक्त किया है।

केतन अग्रवाल केस में नया ट्विस्ट-पुलिस सूत्रों के अनुसार इन दोस्तों ने कथित तौर पर मैरिज रजिस्ट्री के लिए गवाह के तौर पर दस्तखत किए थे। सूत्रों का कहना है कि पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल से सगाई के बाद सिया गोयल ने अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी से चुपके से शादी कर ली थी। 20 साल की सिया गोयल और 25 साल की अग्रवाल की शादी नवंबर में तय हुई थी। 18 जून को पुणे के लोहागढ़ किले से गिरने के कारण केतन अग्रवाल की मौत हो गई थी।

- **इंस्टाग्राम पर रखी थी शादी की तस्वीर!**- पुणे के बिजनेसमैन केतन अग्रवाल की मुलाकात सिया गोयल से परिवार के जरिए हुई थी और फरवरी में उनकी सगाई हुई थी। नवंबर में शानदार शादी के लिए उदयपुर में एक होटल बुक किया गया था। पुलिस की टेक्निकल टीमें एक प्राइवेट इंस्टाग्राम अकाउंट से डिलीट की गई फोटो रिकवर करने की कोशिश कर रही हैं, जिसमें कथित तौर पर आरोपी जोड़े को शादी की माला पहने हुए दिखाया गया था। पुलिस चौधरी के बैंक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। पुलिस को जानकारी मिली है कि उसने सीक्रेट शादी को जल्दी निपटाने के लिए जरूरी पब्लिक नोटिस से बचने के लिए किसी बिचौलिए को पैसे दिए थे।

तेलंगाना में पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा

● पत्नी नर्स, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था, छत से धक्का भी दिया था, लेकिन बच गया

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी खबर सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला।

दरभंगा में बम विस्फोट चंचल नगर में दो युवक गंभीर घायल, क्षेत्र में दहशत

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा जिले के चंचल नगर में मंगलवार को एक बम विस्फोट हुआ, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मची और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घायलों की पहचान लक्ष्मी पासवान के पुत्र रामबाबू पासवान और कमलेश पासवान के पुत्र श्रीकांत पासवान के रूप में हुई है। लोगों की मदद से उन्हें तत्काल दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पतोर थाना सहित कई अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि विस्फोट किस परिस्थिति में हुआ और बम वहां कैसे पहुंचा। फिलहाल, पुलिस की ओर से विस्फोट के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्रारंभिक जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। इस घटना के बाद पूरे चंचल नगर इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग विस्फोट की आवाज से सहम गए हैं। पतोर थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

फोरलेन के बीच आया सालों पुराना पेड़, लोगों ने किया विरोध तो डिजाइन बदला

अमृतसर (एजेंसी)। शहर के मेहता रोड फोरलेन निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल कायम की गई है। यहां गिल गांव के पास हाईवे निर्माण में आ रहे करीब 300 साल पुराने पीपल के पेड़ को काटने की योजना थी लेकिन गांव वाले गुरजंट सिंह, सुखबीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह जोहल समेत अन्य ने इसका विरोध किया, जिसके बाद एनएचएआई ने सड़क का डिजाइन बदल दिया। पेड़ के आसपास की जगह को भी संरक्षित कर दिया। वहीं डीएफओ ने बताया कि यह पीपल का पेड़ करीब 300 साल पुराना है जो बेहद सुंदर और घनी छाया देता है। उन्होंने खुद मौके पर जाकर निरीक्षण किया और इसे संरक्षित रखने के फैसले की सराहना की। यह उदाहरण दिखाता है कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी संभव है, बशर्ते सब मिलकर कोशिश करें।

दर्दनाक हादसा : कुएं में गिरे 13 हिरण और एक कुत्ता, सभी की मौत

भोपाल (एजेंसी)। शुजालपुर अनुभाग की कालापीपल तहसील के खरदौनकलां गांव में हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां एक खेत के कुएं से तेरह हिरणों और एक आवारा कुत्ते के शव बरामद हुए हैं। खेत मालिक कृष्णाबाई पाटीदार के परिजनों को कुएं से तेज दुर्गंध आने पर यह भयावह दृश्य दिखा। शव बुरी तरह सड़े-गले होने के कारण आशंका है कि यह घटना कुछ दिन पहले हुई होगी। सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होने के कारण नायब तहसीलदार की देखरेख में सभी शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद घटनास्थल के पास ही विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि हिरणों का झुंड किसी आवारा कुत्ते से बचने के दौरान तेजी से भागा और कुएं में जा गिरा। जिस कुत्ते से वे बच रहे थे, वह भी शायद उनके साथ ही कुएं में गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुएं की मुंडेर (सुरक्षा दीवार) का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त था, संभवत: उसी टूटे हिस्से से ये हिरण गिरे। मृत हिरणों में चार नर और नौ मादा शामिल हैं। कालापीपल-शुजालपुर क्षेत्र हिरणों की बड़ी आबादी के लिए जाना जाता है। कुछ समय पहले ही यहां से बोमा पद्धति द्वारा सैकड़ों हिरणों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया गया था। यह घटना क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और कुओं की उचित मुंडेर जैसे सुरक्षा उपायों के महत्व को रेखांकित करती है। वन विभाग ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

पत्नी ने पहले छत से दिया धक्का, बच गया तो ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर कर दिया इंजेक्ट

-पुलिस को किया गुमराह, पोस्टमार्टम में खुला राज, महिला, प्रेमी व दोस्त गिरफ्तार

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक महिला नर्स ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नर्स संध्या (32), उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी जानकारी सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक महिला का पति प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें विवाद होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में वह छत से गिर गए थे। जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का दावा है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया था। प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर शक हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है।

करूर हादसे में पीड़ितों को मुआवजा देने से रोकने की डीएमके की याचिका खारिज

हम सीएम के काम तय नहीं करेंगे, कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में रैली में हुए हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। डीएमके ने मौजूदा टीवीके सरकार के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। सीएम विजय हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें मुआवजा और नौकरी देने की बात कही है, डीएमके का कहना था कि सीएम विजय को रोकना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके की याचिका को खारिज कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसी भी सीएम की गतिविधियों को तय नहीं करेंगे। जजों ने डीएमके के वकील से कहा कि वह कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं। अगर सत्ताधारी टीवीके के नेता हादसे को लेकर बयान दे रहे हैं, तो डीएमके भी उसके जवाब में बयान दे

सकती है। यह लड़ाई कोर्ट के बाहर लड़ी जानी चाहिए। डीएमके ने याचिका दाखिल कर कहा था कि पिछले साल टीवीके की रैली में हुए हादसे की जांच को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सीएम विजय 41 लोगों की मौत वाले इस हादसे के पीड़ितों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी देने के लिए करूर जाने वाले हैं। डीएमके ने इसका विरोध किया था।

बता दें पिछले साल सितंबर में टीवीके की करूर में एक रैली की थी, जिसमें भगदड़ मच गई थी। इस दौरान 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की जांच मद्रास हाईकोर्ट ने विशेष जांच दल को सौंपी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच राज्य पुलिस से लेकर सीबीआई के हाथों में दे दी थी। खास बात यह है कि जांच की निगरानी कोर्ट एक कमेटी भी कर रही है। सीएम विजय पीड़ित परिवारों से मिलने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ में गैर मुस्लिम से निकाह करने लेनी होगी वक्फ बोर्ड से अनुमति

-अंतर-धार्मिक निकाह प्रक्रिया को पारदर्शी व व्यवस्थित बनाने नई व्यवस्था लागू

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अंतर-धार्मिक निकाह की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। प्रस्तावित नियम अगस्त 2026 से पूरे प्रदेश में प्रभावी होंगे। इसके तहत यदि कोई मुस्लिम युवती या युवक किसी गैर-मुस्लिम से निकाह करना चाहता है, तो पहले वक्फ बोर्ड से अनुमति लेना जरुरी होगा। अनुमति के लिए दोनों पक्षों की सहमति, पहचान संबंधी दस्तावेज, आवश्यक होने पर मतांतरण से जुड़े दस्तावेज और अन्य कानूनी औपचारिकताओं की जांच की जाएगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही निकाह की अनुमति दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने प्रदेश के सभी निकाह पढ़ाने वाले मौलानाओं का पंजीयन भी अनिवार्य करने का फैसला लिया है। केवल पंजीकृत मौलाना ही निकाह पढ़ा सकेंगे। बिना अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर निकाह कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने बताया कि वर्तमान में कई स्थानों पर निकाह का कोई केंद्रीय रिकॉर्ड नहीं होने से भविष्य में पहचान, वैवाहिक स्थिति और दस्तावेज से जुड़े विवाद सामने आते हैं। नई व्यवस्था के तहत हर निकाह का रिकॉर्ड वक्फ बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा और एक समान प्रारूप में निकाहनामा और प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि यह व्यवस्था किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि निकाह प्रक्रिया को कानूनी रूप से पारदर्शी बनाने, फर्जी दस्तावेज, विवादित निकाह और शिकायतों की निगरानी के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

कांग्रेस बाद में रोना मत: ओवैसी ने जताई एनआरसी लागू होने की आशंका

-एसआईआर पर सवाल उठाते हुए बोले- अमित शाह कच्चा काम नहीं करते

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आशंका जताई है कि भविष्य में इसे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की दिशा में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को भी आगाह करते हुए कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बाद में शिकायत करने का कोई लाभ नहीं होगा।

वकीलों की एक बैठक को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिना योजना के कोई कदम नहीं उठाते। उन्होंने कहा, अमित शाह कच्चा काम नहीं करते, वे हर कदम एक तय कार्यक्रम के तहत उठाते हैं। मुझे संदेह है कि आखिरकार सरकार एनआरसी लागू करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसांख्यिकी की जांच के लिए सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय आयोग भी इसी दिशा का संकेत हो सकता है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनकी आशंका गलत भी साबित हो सकती है।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से स्थायी निवास प्रमाणपत्र (परमानेंट रेसिडेंट सर्टिफिकेट) जारी करने और इसके लिए स्पष्ट मानक तय करने की मांग की। उनका कहना था कि सरकार को समय रहते रचनात्मक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि यदि गरीबों के नाम मतदाता सूची से कटते हैं तो बाद में रोने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को समय रहते इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग फिलहाल तेलंगाना सहित 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चला रहा है। ओवैसी का कहना है कि यदि इस प्रक्रिया में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटते हैं, तो भविष्य में उन्हें नागरिकता संबंधी अन्य प्रक्रियाओं में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, एनआरसी को लेकर विपक्षी दल पहले से ही केंद्र सरकार के रुख का विरोध करते रहे हैं।

25 जुलाई तक पूरी हों कांवड़ मेले की तैयारियां, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं पर रहेगा विशेष फोकस

देहरादून (शिखर समाचार)। आगामी 30 जुलाई से शुरू होने वाले ऐतिहासिक कांवड़ मेला-2026 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप मेले को दिव्य, भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित ऋषिपर्णा सभागार में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ मेले से जुड़ी सभी तैयारियां हर हाल में 25 जुलाई तक पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था, सुरक्षा और सुविधाओं से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के अनुसार

कांवड़ मेला 30 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होगा। 31 जुलाई से 4 अगस्त तक श्रद्धालुओं की सर्वाधिक भीड़ रहने की संभावना है, जबकि 8 से 11 अगस्त तक डाक कांवड़ का संचालन होगा। 11 अगस्त को शिवालयों में जलाभिषेक के साथ यात्रा का समापन होगा। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पूरे कांवड़ मार्ग को चार जोन और 13 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। परिवहन विभाग को सीमाओं पर वाहनों की नियमित जांच, ओवरलोडिंग पर रोक तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने नगर निगम और पर्यटन विभाग को कांवड़ यात्रा मार्ग पर संचालित होटल, ढाबों और भोजनालयों का अनिवार्य सत्यापन कराने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध दुकानों तथा फर्जी नामों से संचालित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई करने को कहा। नगर निगम को यात्रा मार्ग पर मांस और मदिरा की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने, सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने, घाटों पर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा डेंगू की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग और दवा छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग को कांवड़ मार्ग पर गड्ढों की मरम्मत, पैचवर्क, पुलों की रेलिंग दुरुस्त करने, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए।

भारत-नेपाल सीमा पर यूक्रेनी महिला गिरफ्तार, बिना वैध दस्तावेज नेपाल जाने की कोशिश नाकाम

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम के सहयोग से यूक्रेन की एक महिला नागरिक को गिरफ्तार किया है। महिला पर बिना वैध यात्रा एवं आव्रजन दस्तावेज के भारत में रहने और हरपुर बॉर्डर के रास्ते अवैध रूप से नेपाल जाने का प्रयास करने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां उससे गहन पूछताछ कर रही हैं और पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सीमा क्षेत्र में एक विदेशी महिला की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सैनिक रोड के समीप विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान महिला को रोककर उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला हरपुर सीमा के रास्ते भारत से नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह भारत में कब और किस माध्यम से पहुंची, किन-किन स्थानों पर रही और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। इसके अलावा इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं इस मामले के पीछे कोई संगठित गिरोह या मानव तस्करी नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। सीमा सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विदेशी नागरिकों के आवागमन से जुड़े मामलों में आव्रजन नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। बिना वैध दस्तावेज के किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस, एसएसबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियां संयुक्त रूप से मामले के हर पहलू की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

राम मंदिर विवाद: मायावती का विपक्ष को चैलेंज, सबूत दो, वरना ये सिर्फ चुनावी दिखावा है

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चंदे के कथित गबन की जांच को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रबंधकों की मिलीभगत या लापरवाही के कारण गड़बड़ी हो सकती है। 7 जनवरी, 2026 को X पर एक पोस्ट में, मायावती ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) समेत विपक्षी दलों की आलोचना की और चेतावनी दी कि ठोस सबूत के बिना उनके दावों को सच्ची निष्ठा के बजाय राजनीतिक दिखावा माना जाएगा।

उन्होंने लिखा कि यूपी में अयोध्या के श्री राम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड राज्य के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए; वरना, भविष्य में उनकी जगह नियुक्त होने वाले दूसरे मुख्य प्रबंधक इसका गलत फायदा उठा सकते हैं। मायावती ने आगे कहा कि क्योंकि आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ियां हुई हैं, वे या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत से हुई हैं या उनकी लापरवाही के कारण। इसलिए, अब इस मामले की ठीक से जांच करना बहुत ज़रूरी है, और सरकार तथा SIT को इस मामले पर खास ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियां 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले गबन के इस मामले का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रही हैं। पोस्ट में लिखा है कि साथ ही, SP, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दलों के वरिष्ठ नेताओं ने यहां (श्री राम मंदिर में) चढ़ावे की भारी चोरी और गबन के जो दावे किए हैं, उनके बारे में उनसे ठोस सबूत भी मांगे जाने चाहिए, ताकि कोई चोर या गबन करने वाला बच न सके; वरना, इसे सिर्फ़ राजनीतिक दिखावा माना जाएगा—यानी सच्ची श्रद्धा नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को दरकिनार करके ये पार्टियां अब इस मुद्दे की आड़ में चुनाव लड़ना चाहती हैं—आम चर्चा यही है।

राम मंदिर दान में गबन का विवाद उत्तर प्रदेश के बाहर भी चर्चा का विषय बन गया है। विपक्षी पार्टियों ने राज्य सरकार की आलोचना की है और AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनके पास इस बात के सबूत हैं। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की शुरुआती जांच में काउंटिंग रूम में सुरक्षा में गंभीर चूक और कुछ कर्मचारियों द्वारा कैश को व्यवस्थित तरीके से छिपाने का मामला सामने आया है। 27 अप्रैल से 5 जून के बीच देखे गए CCTV फुटेज में कर्मचारियों द्वारा कैश के बंडल छिपाने की लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं सामने आईं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को एनआईए कोर्ट ने सुनाई सज़ा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले 15 व्यक्तियों को एनआईए स्पेशल कोर्ट ने कड़ा दंड सुनाया है। लखनऊ स्थित एनआईए स्पेशल कोर्ट ने इन सभी 15 दोषियों को 5-5 साल की कठोर कैद की सजा दी है। ये सभी दोषी बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम बताए जा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 28-28 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है, उनमें महफूजुर रहमान, अल अमीन अहमद, खोखन सरदार, अलाउद्दीन तारीक, जमील अहमद, हुसैन मोहम्मद फहद, शखावत खान, असीदुल इस्लाम, जैनुल इस्लाम, राजीव हुसैन, मोमिनुर इस्लाम, मेहंदी हसन, शाओन अहमद, मोहम्मद जमील और नूर अमीन शामिल हैं।

ये सभी व्यक्ति बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद पश्चिम बंगाल में छिप कर रह रहे थे। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने अदालत को अपनी जांच में बताया कि एक सुनियोजित साजिश के तहत मिथुन मंडल, विक्रम सिंह, महफूज और समीर मंडल उर्फ टोनी, मोहम्मद जमील सहित कुछ अन्य लोग बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ करा रहे थे। एटीएस ने खुलासा किया कि यह गिरोह एक संगठित सिंडिकेट के रूप में काम कर रहा था, जो बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराता था। इतना ही नहीं, यह गिरोह घुसपैठियों के लिए फर्जी भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट तक बनवा रहा था। एटीएस ने अदालत को यह भी जानकारी दी कि कई बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनाए गए थे, और मानव तस्करी के माध्यम से उन्हें भारत से कई अन्य देशों में भी भेजा गया था। यह मामला मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता कानूनों का उल्लंघन कर रहा था। इस गिरोह के सदस्यों को अक्टूबर 2021 में एटीएस ने देश के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई से भारत में अवैध घुसपैठ और मानव तस्करी से जुड़े आपराधिक सिंडिकेट पर कड़ी चोट पड़ी है। एनआईए कोर्ट का यह फैसला उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो भारत की सीमाओं का उल्लंघन करने और अवैध गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करते हैं। यह फैसला अवैध घुसपैठ के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दर्शाता है और भविष्य में ऐसे प्रयासों को रोकने में मदद करेगा। इस तरह की गतिविधियां न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों पर भी अनावश्यक बोझ डालती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा बनी रहे, इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

केजरीवाल ने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प से मांगा लिखित आश्वासन

-ई20 पेट्रोल से गाडियों होंगी खराब तो कंपनियां करेंगी नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वे सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों को चिट्ठी लिखेंगे और ग्राहकों के लिए लिखित आश्वासन मांगेंगे। दरअसल, वे गाडियों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उपयोग करने पर आ रही शिकायतों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांग कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि वे कंपनियों से लिखित रूप में आश्वासन चाहेंगे कि यदि उनकी गाडियों में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) का उपयोग किया जाए तो यदि माइलेज 10 फीसदी से अधिक गिरता है, तो क्या कंपनी ग्राहक को नुकसान की भरपाई करेगी? यदि गाड़ी का कोई भी पार्ट डैमेज होता है, तो कंपनी उसे मुफ्त में रिप्लेस करेगी? उन्होंने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प जैसी कंपनियों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनकी सार्वजनिक बातें और ओनर मैनुअल में दी गई चेतावनियां (जो अक्सर ई10 तक सीमित सिफारिश करती हैं) एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं।

30 करोड़ वाहनों को खतरे में डाल रही सरकार

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिना तैयारी के पूरे देश पर ई20 पेट्रोल थोप रही है, जिससे 30 करोड़ वाहन प्रभावित हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि कई ऑटो कंपनियों के ओनर मैनुअल में ई10 से अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की अनुमति नहीं दी गई है, जबकि कंपनियां सरकार के दबाव में अलग बयान दे रही हैं। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर ई0, ई10 और ई20 तीनों विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार पेट्रोल चुन सकें।

सरकार जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोप रही है

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों की चिंताएं हैं, लेकिन केंद्र सरकार लगातार इसे लागू करने पर अड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को समझाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है और ऑटो कंपनियों से भी ई20 के पक्ष में बयान दिलवा रही है। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को छह प्रमुख ऑटो कंपनियों को बुलाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कराई गई, जहां ई20 पेट्रोल को सुरक्षित बताया गया।

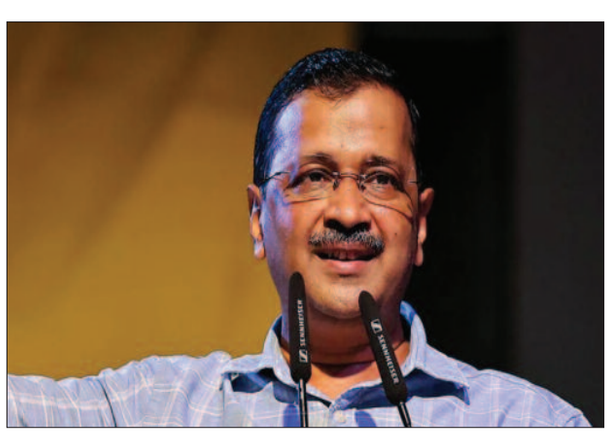

वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 : डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिला वृक्षारोपण समिति की मासिक बैठक दुर्गावती सभागार कक्ष गाजियाबाद में डीएम रविन्द्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में आहूत की गयी। उक्त बैठक में प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, गाजियाबाद, मुख्य विकास अधिकारी, गाजियाबाद तथा समितियों के नामित एवं पदेन सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिलाधिकारी ने जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक मे सभी कार्यदायी विभागों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा जनपद गाजियाबाद को कुल 1022300 पौधों का लक्ष्य आवंटन किया गया है, जिसके सापेक्ष अग्रिम मृदा कार्य के स्थल का स्वयं निरीक्षण करे एवं उसके अनुरूप वन विभाग की राजकीय पौधशालाओं से पौध उठान का कार्य दिनांक 09 जुलाई 2026 तक करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त लोक निर्माण विभाग को सड़क के किनारे एक ही प्रजाति के थिमैटिक वृक्षारोपण किये जाने हेतु निर्देश दिये गये एवं दिनांक 12 जुलाई 2026 को वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 मे किये जाने वाले पौधारोपण स्थलों में से किसी एक स्थल पर वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाये, जिसमे अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित कर कार्यक्रम का आरम्भ किया जाये। साथ ही हरितिमा एप्प के माध्यम से प्रत्येक पौधारोपण स्थल को जिओ टैग किया जाये एवं पौधों

की समय-समय पर सुरक्षा एवं सिंचाई व्यवस्था भी रखी जाये।
जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जनपद की सभी संस्थाओं, फर्मों, गैर-सरकारी संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं समस्त जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा हरित एवं स्वच्छ गाजियाबाद के निर्माण में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। यह पहल न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने माता-पिता के साथ कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएं। बैठक से पूर्व जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, डीएफओ ईशा तिवारी, सीडीओ कुमार सौरभ सहित अन्य अधिकारियों ने विकास भवन परिसर में पौधारोपण किया।

फर्जी आधार कार्ड बनाकर मृतका के खाते से रकम उड़ाने वाला शातिर गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नूरपुर थाना पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड तैयार कर एक मृतक महिला के बैंक खाते से धोखाधड़ी कर रकम निकालने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धोखाधड़ी में प्रयुक्त दस्तावेज बरामद कर उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि इस संगठित धोखाधड़ी में कोई अन्य व्यक्ति अथवा गिरोह शामिल तो नहीं था। पुलिस के अनुसार, 16 मई 2026 को हरियाणा के गुरुग्राम स्थित वायुसेना स्टेशन, सेक्टर-17 की हैवेल्स कॉलोनी निवासी संजय कुमार ने नूरपुर थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी दिवंगत माता के नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति ने जाली दस्तावेज तैयार कर फर्जी आधार कार्ड बनवाया। इसके बाद बैंक खाते से धोखाधड़ी कर बड़ी धनराशि निकाल ली गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर मामले की गहन जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि विवेचना, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सूचनाओं के आधार पर पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। जांच में नूरपुर थाना क्षेत्र के गांव कन्हेड़ी निवासी महेंद्र सिंह की भूमिका सामने आई। आरोप है कि उसने मृतका के नाम से फर्जी आधार कार्ड तैयार कर बैंक को गुमराह किया और खाते से धनराशि निकाल ली। इसके बाद पुलिस ने सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके गांव के निकट से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से धोखाधड़ी में प्रयुक्त दस्तावेज भी बरामद किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए यह भी पता लगाया जा रहा है कि बैंक के किसी कर्मचारी की मिलीभगत रही या फिर किसी बाहरी साइबर ठग गिरोह ने इस वारदात में सहयोग किया। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कुपोषण मुक्त बिजनौर के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ करें कार्य : जिलाधिकारी

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुपोषण एवं अति कुपोषण से ग्रसित बच्चों, एनीमिया से प्रभावित गर्भवती और धात्री महिलाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को पोषण अभियान के लक्ष्यों की समयबद्ध एवं प्रभावी पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि कुपोषण के खिलाफ अभियान तभी सफल होगा, जब सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से कार्य करेंगे।
उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों का नियमित रूप से वजन और लंबाई का मापन किया जाए तथा प्रत्येक पात्र लाभार्थी का विवरण समय पर पोषण अनुरेखक पर दर्ज किया जाए। उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारियों को सूक्ष्म कार्ययोजना के अनुरूप अभियान संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि गंभीर तीव्र कुपोषित (सैम) एवं मध्यम तीव्र कुपोषित (मैम) बच्चों का शत-प्रतिशत चिन्हांकन किया जाए, ताकि ऐसे बच्चों को समय पर उपचार, नियमित अनुवर्ती देखभाल और पोषण पुनर्वास का लाभ मिल सके। बैठक में उत्तराखंड सीमा से लगे गांवों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, फर्नीचर तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि जिन केंद्रों पर आवश्यक

सामग्री का अभाव है, वहां प्राथमिकता के आधार पर फर्नीचर एवं अन्य संसाधनों की खरीद कर सभी केंद्रों को आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर आधारभूत सुविधाएं मिलने से बच्चों और महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने और निर्धारित समय सीमा में सभी लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोषण अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

12 जुलाई को जनपद में लगाए जाएंगे 12.64 लाख पौधे, जिलाधिकारी ने दिए व्यापक तैयारियों के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें आगामी 12 जुलाई को होने वाले मेगा वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में लक्ष्य के अनुरूप सभी विभागों को समन्वय के साथ पौधारोपण सुनिश्चित करने तथा जनसहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। जनपद में इस वर्ष कुल 12 लाख 64 हजार 700 पौधे रोपित किए जाएंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, उपजिलाधिकारी गढ़मुक्तेश्वर श्रीराम यादव, उपजिलाधिकारी धौलाना रमेश चंद्र पाण्डेय, प्रभागीय वनाधिकारी गौतम सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. मिश्रा, सहायक संभागीय अधिकारी छवि सिंह, डॉ. हरित कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभागीय वनाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि 12 जुलाई को एक ही दिन में होने वाले विशेष वृक्षारोपण अभियान के लिए सभी विभागों द्वारा गड्ढों की खुदाई तथा पौधों की मांग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वन विभाग ने संबंधित विभागों को पौधशालाओं से पौधे प्राप्त करने के लिए इंडेंट जारी कर दिए हैं और विभागों द्वारा पौधों का उठान भी शुरू कर दिया गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़कों के किनारे एक ही प्रजाति के पौधे लगाए जाएं, जिससे उनका संरक्षण और रखरखाव बेहतर ढंग से हो सके। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम तथा हर मेड़ पर पेड़ अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष

जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने परिवार के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प ले। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान ब्लूटूथ स्पीकर पर देशभक्ति के गीत बजाए जाएं, जिससे अभियान का वातावरण प्रेरणादायी बने। जिन स्थानों पर चारदीवारी नहीं है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से बांस एवं करौंदे के पौधे लगाए जाएं। उन्होंने गौशालाओं में ट्री गार्ड के साथ उपयुक्त पौधों का रोपण कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि 12 जुलाई को वृक्षारोपण अभियान को बड़े जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। कार्यक्रम की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई जाए, प्रत्येक विद्यालय में पौधारोपण की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा सभी स्थलों पर बैनर लगाकर अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। वृक्षारोपण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के लिए ग्रीन ड्रेस कोड अपनाने तथा संबंधित विभागों के मंत्रियों को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के भी निर्देश दिए गए।

मानसून की पहली झमाझम बारिश से मिली गर्मी से राहत, किसानों के चेहरे खिले

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। मानसून की पहली मूसलाधार बारिश ने मंगलवार को क्षेत्रवासियों को उमस भरी भीषण गर्मी से बड़ी राहत दिलाई। सुबह करीब साढ़े दस बजे अचानक आसमान पर काले घने बादल छा गए और तेज बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे से अधिक समय तक हुई वर्षा के साथ चलती ठंडी हवाओं ने मौसम को पूरी तरह सुहावना बना दिया। कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए, वहीं किसानों ने भी इसे खरीफ फसलों के लिए बेहद लाभकारी बताया। लगातार पड़ रही गर्मी के कारण धान की रोपाई का कार्य प्रभावित हो रहा था। किसानों को खेतों

में पलेवा करने और रोपाई के लिए नलकूपों तथा पंपिंग सेटों का सहारा लेना पड़ रहा था, जिससे महंगे डीजल पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा था। मंगलवार की बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी और पानी उपलब्ध हो गया, जिससे धान की रोपाई का कार्य तेज होने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई यह वर्षा फसल के लिए किसी वरदान से कम नहीं है और इससे खेती की लागत भी कम होगी। बारिश का लाभ आम उत्पादकों को भी मिला है। हालांकि आम का मौसम अब अंतिम चरण में है, लेकिन सबसे बाद में पकने वाली चौसा किस्म के आम के लिए यह वर्षा लाभदायक मानी जा रही है। आम ठेकेदारों ने बताया कि मंगलवार से चौसा आम की आवक स्थानीय बाजारों में शुरू हो गई है और बारिश के कारण फलों की गुणवत्ता में भी सुधार होने की संभावना है। जहां एक ओर बारिश ने मौसम को खुशनुमा बनाया, वहीं दूसरी ओर नगर की कुछ बस्तियों और निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आई। करीब एक घंटे तक लगातार हुई तेज वर्षा के कारण कई स्थानों पर सड़कों और गलियों में पानी भर गया, जिससे लोगों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग करते हुए कहा कि हर वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या परेशानी का कारण बनती है।

गाजियाबाद : मधुबन बापूधाम में गूँजा 'हरित गाजियाबाद' का नारा, जीडीए ने किया वृहद वृक्षारोपण

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
उत्तर प्रदेश शासन की 'हरित उत्तर प्रदेश-हरित भविष्य' मुहिम को गति देते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने आज मधुबन बापूधाम योजना क्षेत्र में एक वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस अभियान के माध्यम से न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया, बल्कि जीडीए ने सतत विकास और शहर को हरित आवरण से ढंकने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

अभियान के दौरान प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की और विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण सुरक्षित करने की दिशा में उठाया गया एक सामाजिक दायित्व है।

क्यों जरूरी है वृक्षारोपण?

अधिकारियों ने चर्चा करते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण को थामने, तापमान को नियंत्रित करने और गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि आज लगाए गए ये पौधे न केवल क्षेत्र को हरा-भरा बनाएंगे, बल्कि आने वाले समय में नागरिकों को स्वच्छ हवा और छायादार परिवेश उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नागरिकों से की अपील

जीडीए ने इस अवसर पर गाजियाबाद के नागरिकों से भी अपील की है कि वे पर्यावरण को बचाने के इस महाभियान में अपना योगदान दें। प्राधिकरण ने प्रत्येक नागरिक से आह्वान किया कि वे वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी सुरक्षा का दायित्व भी उठाएं।
जीडीए का स्पष्ट कहना है कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना ही वास्तविक प्रगति है और प्राधिकरण भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों को निरंतर जारी रखेगा। "एक वृक्ष ज्ञ अनेक लाभ, हरित गाजियाबाद ज्ञ हमारा संकल्प।"

कॉपीराइट उल्लंघन पर पुलिस का शिकंजा, बड़ी संख्या में संदिग्ध पायरेटेड पुस्तकें जब्त

मुरादनगर (शिखर समाचार)। कॉपीराइट उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने राधेश्याम फेस-1 क्षेत्र में कथित रूप से संचालित पायरेटेड पुस्तकों के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी संख्या में संदिग्ध नकली पुस्तकें बरामद की हैं। कार्रवाई के दौरान दो प्रमुख प्रकाशकों की कॉपीराइट संरक्षित पुस्तकों की अवैध प्रतियां जब्त की गईं। पुलिस ने एक आरोपी के विरुद्ध कॉपीराइट अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता ललित सरदाना ने सूचना दी थी कि क्षेत्र में भारती भवन तथा धनपत राय पब्लिकेशन की पुस्तकों की अवैध प्रतियां तैयार कर उनकी ऑनलाइन बिक्री की जा रही है। शिकायत के आधार पर पुलिस टीम ने राधेश्याम फेस-1 स्थित एक मकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मोहित पुत्र सूरज सिंह के कब्जे से कक्षा 9 एवं 10 की गणित, अर्थशास्त्र सहित विभिन्न विषयों की बड़ी संख्या में संदिग्ध पायरेटेड पुस्तकें बरामद कर जब्त कर लीं। बरामद पुस्तकों को सील कर

विधिक कार्रवाई के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि उक्त स्थान पर पूर्व में भी इसी प्रकार की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। इसके बावजूद दोबारा कॉपीराइट उल्लंघन का मामला सामने आने पर पुलिस ने पूरे नेटवर्क की गहन जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि पायरेटेड पुस्तकों की छपाई कहां की जा रही थी, उन्हें किन-किन जिलों में भेजा जाता था तथा ऑनलाइन बिक्री के लिए किन डिजिटल माध्यमों और मंचों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेन-देन और डिजिटल रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे और कार्रवाई की जाएगी।

25 हजार के ईनामी गैंगस्टर को कविनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कविनगर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित 25 हजार रुपये के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करन सिंह को राजनगर से गिरफ्तार किया। उसका स्थायी पता गुरुधाम कॉलोनी, थाना भदैपुर, जिला वाराणसी तथा वर्तमान पता पंचशील कॉलोनी, थाना बिसरख, जनपद गौतमबुद्ध नगर है। सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि आरोपी गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित था। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया

था। स्थानीय खुफिया तंत्र, सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और सूचना के आधार पर उसे दबोच लिया गया है।आरोपी के खिलाफ पुलिस गाजियाबाद में चोरी के तीन तथा गैंगस्टर एक्ट का एक मुकदमा दर्ज है। उसके विरुद्ध चार आपराधिक मामले पंजीकृत है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कविनगर और मधुबन बापूधाम क्षेत्र में अपना गिरोह बनाकर चोरी और लूटपाट जैसी घटनाओं को अंजाम देता था तथा इसी माध्यम से अवैध रूप से धन अर्जित करता था।

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की जांच की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, सद्बुद्धि मार्च रोकने पर प्रशासन के खिलाफ जताया विरोध

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को श्रीराम मंदिर में चढ़ावे, आभूषणों और कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय से सद्बुद्धि मार्च निकालने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस प्रशासन ने अनुमति न होने का हवाला देते हुए मार्च को आगे बढ़ने नहीं दिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग उठाई। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कार्यालय पर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए कथित वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सद्बुद्धि मार्च निकालने का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने

प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित करोड़ों रुपये के चढ़ावे, आभूषणों तथा अन्य बहुमूल्य वस्तुओं से जुड़ी कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की खबरों ने देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत किया है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से आभूषणों को गलाकर सोने-चांदी की ईंटों में बदलने जैसी बातें सामने आई हैं, जिनकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच आवश्यक है। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे प्रकरण की जांच उच्च न्यायालय के कार्यरत न्यायाधीश से कराई जाए। साथ ही ज्ञापन में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग कर मंदिर के संचालन की जिम्मेदारी शंकराचार्यों और श्रीराम मंदिर के सम्मानित महंतों को सौंपने की भी मांग की गई। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष हेनरीता सिंह, आर.के. सिंह (पूर्व आईएएस), हुमायूं बेग, चितवन शर्मा, नासिर मलिक, हुकम सिंह, त्रिलोक चंद शर्मा, हिमांशु देवरा, गुलशन कुमार, रामपाल, अनिल त्यागी, विनेश कुमार, कमरुन्निसा, मोहम्मद इब्राहिम, अब्दुल समद आजाद, अवनीश कुमार, अर्जुन सिंह, अरविंद कुमार, नेतराम सिंह, नौशाद अली, प्रदीप ठाकुर, मोहम्मद हनीफ, जफर हसनैन, खालिद, अखिलेश कुमार, आनंद सिंह, रोहित कुमार, राम रतन, रति राम, फुरकान महमूद, जसराम सिंह, गुलसिताब अधिवक्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घंटाघर स्थित विंग्स शूज शोरूम में लगी भीषण आग, दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कोतवाली नगर के घंटाघर क्षेत्र स्थित विंग्स शूज शोरूम में मंगलवार दोपहर को भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई और अग्निशमन कर्मियों की कड़ी मेहनत के चलते आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया तथा आसपास स्थित दुकानों और शोरूमों को सुरक्षित बचा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि 7 जुलाई 2026 को दोपहर लगभग 3 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को घंटाघर स्थित विंग्स शूज शोरूम में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी कोतवाली सहित सभी उपलब्ध फायर टेंडर तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना कर दिए गए। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आग भवन की चौथी मंजिल पर लगी हुई थी और तेजी से फैल रही थी। आग की गंभीरता और विकराल रूप को देखते हुए जनपद के अन्य फायर स्टेशनों से भी अतिरिक्त दमकल वाहन एवं अग्निशमन अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग को अन्य भवनों तक फैलने से रोकने के लिए आसपास की इमारतों की छतों तक होज लाइन बिछाकर फायर फाइटिंग की गई। भवन के अंदर अत्यधिक तापमान और घने धुएं

के कारण अग्निशमन कर्मियों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ी। फायर कर्मियों ने बीए सेट पहनकर भवन के अंदर प्रवेश किया और जोखिम उठाते हुए आग बुझाने का कार्य जारी रखा। आग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आसपास की छतों से संबंधित भवन की दीवार को भी तोड़ा गया, जिससे आग के स्रोत तक पहुंच बनाकर उसे नियंत्रित किया जा सके। कई घंटों की कड़ी मशक्कत और सुनियोजित रणनीति के बाद फायर सर्विस यूनिट ने आग को पूरी तरह बुझा दिया। दमकल विभाग की तत्परता के कारण आसपास स्थित अन्य दुकानों, शोरूमों और भवनों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। घटना के दौरान स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद रही और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करती रही। आग बुझाने के अभियान में 11 दमकल गाड़ियों का प्रयोग किया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में नगीना पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में दर्ज मुकदमे में आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे

न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 14 जून 2026 को पीड़िता ने नगीना थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि ग्राम मंझेड़ा निवासी आमिर ने उससे शादी करने का झूठा आश्वासन देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता का यह भी आरोप था कि जब उसने आरोपी के व्यवहार का विरोध किया और शादी का दबाव बनाया, तब आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर विवेचना शुरू करते हुए आरोपी की तलाश तेज कर दी थी। मंगलवार को नगीना पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी आमिर को उसके गांव मंझेड़ा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की और मुकदमे से संबंधित आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विवेचना नियमानुसार जारी है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हें विवेचना का हिस्सा बनाया जाएगा। पुलिस ने कहा कि महिलाओं से जुड़े अपराधों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट मामले में कार्रवाई की जानकारी लेने पहुंचा व्यापार मंडल

गाजियाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को इंदिरापुरम थाने पहुंचा और प्रभारी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने 2 जुलाई को व्यापारी रोहित कुमार के साथ हुई मारपीट के मामले में दर्ज तहरीर पर अब तक की जांच और पुलिस कार्रवाई की जानकारी ली। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष ने मामले में नियमानुसार जांच जारी होने का आश्वासन दिया। इस दौरान ओमबीर यादव, जय प्रकाश आनंद, सुंदर शाक्य, पीड़ित रोहित कुमार, हरिओम, सार्थक शर्मा, जितेंद्र शर्मा, विमल पोरवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मुठभेड़ में बदमाश घायल, भाग रहा साथी भी गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी कमिश्नरेट की चेतगंज और रामनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को रामनगर थाना क्षेत्र के बन्दरगाह के पास मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को घायल कर गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसका साथी मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे पुलिसकर्मियों ने दौड़ाकर दबोच लिया। दोनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, चेतगंज थाना प्रभारी वीके शुक्ला और रामनगर थाना प्रभारी संजय मिश्रा के नेतृत्व में संयुक्त टीम संदिग्ध बदमाशों की तलाश में अभियान चला रही थी। इसी दौरान बन्दरगाह के पास पुलिस की बदमाशों से आमने-सामने मुठभेड़ हो गई। पुलिस का दावा है कि बदमाशों ने भागने का प्रयास किया, जिसके दौरान हुई कार्रवाई में आकाश सेठ के पैर में गोली लगी। घायल होने के बाद उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया।घायल बदमाश को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, उसका साथी आशीष मौर्य पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

बरेली में अस्पताल मालिक ने सुपरवाइजर युवती से किया दुष्कर्म

बरेली, एजेंसी। बरेली के न्यू फय्याज केयर हॉस्पिटल के मालिक फहीम अली पर सुपरवाइजर युवती ने रामपुर जिले की फैक्टरी में ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि यौन शोषण का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया और धर्मांतरण का दबाव भी बनाया। युवती की शिकायत पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि 27 वर्षीय युवती अप्रैल 2024 से एक साल तक न्यू फय्याज केयर हॉस्पिटल में सुपरवाइजर पद पर नौकरी की थी। नौकरी छोड़ने के बाद फहीम अली ने उसे रामपुर में मिलक स्थित अपनी टायर फैक्टरी में अकाउंटेंट की नौकरी देने का झांसा दिया। इस बहाने वह युवती को मिलक व बरेली के मीरगंज इलाके में अलग-अलग ठिकानों पर अपने साथ ले गया। वहां उसकी मर्जी के बिना उससे संबंध बनाए। आरोप है कि 14 सितंबर 2025 को फहीम उसे डेलापीर के होटल गीत इंटरनेशनल ले गया। वहां एंट्री करते हुए उसने पत्नी शाहिस्ता बी के पहचान पत्र का इस्तेमाल किया। होटल में फहीम ने दुष्कर्म किया और चुपके से उसका वीडियो बना लिया।

मानसून से पहले एक्शन में नगर निगम, जलभराव वाले हॉटस्पॉट दुरुस्त करने का लक्ष्य, जारी किए गए टेंडर

आगरा, एजेंसी। आगरा में मानसून दस्तक दे चुका है। पिछले हफ्ते चंद मिनटों की बारिश से शहरभर में जगह-जगह जलभराव और नाले उफनाने से लोग परेशान हुए। बारिश के साये के बीच जलभराव से निपटने के लिए नगर निगम 14 करोड़ रुपये से 200 अलग-अलग स्थानों पर नाला व सड़क निर्माण कराएगा। निगम ने उच्चाधिकारियों की विशेष अनुमति लेकर इन कार्यों को कराने के लिए अल्प निविदा आमंत्रित की हैं। सात दिन के भीतर आवेदन लेकर टेंडर खोलने के साथ ही अगले हफ्ते से काम शुरू कराने की तैयारी है। विभागीय अधिकारियों का लक्ष्य है कि मानसून के चरम पर पहुंचने से पहले सड़क व नालों की मरम्मत और जरूरी जगह सीसी रोड निर्माण करा लिया जाए, जिससे लोगों को जलभराव से जूझना न पड़े। इस सूची में कुछ पार्कों की मरम्मत के कार्यों को शामिल कर लिया गया है। कार्यवाहक मुख्य अभियंता (सिविल) अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि पिछली बारिश के दौरान कई जगह दिक्कत आई थी। इस के बाद सभी पार्षदों व सफाई निरीक्षकों से उन स्थानों की सूची मांगी गई, जहां सबसे ज्यादा जलभराव होता है। इनमें उन स्थानों को प्राथमिकता दी गई जहां जल्द और जरूरी काम कराकर जलभराव की परेशानी को खत्म किया जा सकता है। 15 जुलाई से पहले सभी जगह निर्माण व मरम्मत का कार्य पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है।

राम मंदिर की आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

चाहे जितनी कुर्बानी देनी पड़े, संघ, विहिप व भाजपा के संघर्ष से बना राम मंदिर

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन राजधानी आए तो थे चुनावी तैयारियों का जायजा लेने पर उन्होंने अपना पूरा फोकस अयोध्या प्रकरण पर ही केंद्रित रहा। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के आरोपों का तीखा जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर विपक्ष के लिए भले ही सियासी मुद्दा है, लेकिन भाजपा के लिए आस्था का केंद्र है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर शक्ति केंद्र संयोजकों को संबोधन के जरिए भाजपा अध्यक्ष ने विपक्ष के इस नैरेटिव को भी खारिज किया कि इस मामले कोई दोषी बचेगा। उन्होंने साफ शब्दों में यह संदेश भी दिया कि प्रभु श्रीराम मंदिर की आस्था के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा, इसके लिए चाहे जितनी भी कुर्बानी देनी पड़े।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सीएम योगी आदित्यनाथ और दोनों डिप्टी सीएम के साथ शनिवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर अवध क्षेत्र के शक्ति केंद्र संयोजकों से संवाद किया। इस मौके पर उन्होंने श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी प्रकरण पर बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखा। उन्होंने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि हमारा खून भी बह जाएगा तो कोई बात नहीं, लेकिन भाजपा प्रभु श्रीराम की आस्था

से किसी को खिलवाड़ नहीं करने देगी। उन्होंने राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल का नाम लेकर कहा कि हिंदू धर्म इतना कमजोर नहीं है कि आपके झांसे में आएंगे।

नितिन नवीन ने कहा कि आज कुछ लोग अयोध्या के श्रीराम मंदिर की चर्चा कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने प्रभु श्रीराम के होने के अस्तित्व पर सवाल उठाया था। प्रभु श्रीराम को काल्पनिक बताने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने कार सेवकों पर गोलियां चलाई थीं और अयोध्या में कारसेवकों पर गोलियां बरसाई। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आपको पता नहीं है कि हमने कितनी कुर्बानी दी है? आप लोगों का खानदान भी उस शहादत और कुर्बानी का मोल नहीं समझ सकता है।

प्रेरणा स्थल पर हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वह ब्रजेश पाठक ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष और यूपी भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह भी उपस्थित रहे।

भाजपा अध्यक्ष ने श्रीराम मंदिर निर्माण में भाजपा, संघ और विहिप के संघर्षों की याद दिलाते हुए कहा कि 500 वर्षों का आस्था का जो संघर्ष है, वह अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर के रूप में सामने दिखता है। उन्होंने चंदा चोरी प्रकरण पर दुबारा दृढ़ता से कहा कि इस मामले में सख्ती से कार्रवाई हो रही है। इसमें कोई भी दोषी छूटेगा नहीं। आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसमें विपक्षी राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है।

कारसेवा करने आए मेरे पिता भी दो महीने रहे जेल में

उन्होंने कहा कि हिंदू विरोधी ताकतों ने हमेशा हिंदू धर्म, हिंदू देवी-देवताओं और देश की आस्था का अपमान किया है। ये अब भी राजनीति के लिए हिंदू धर्म की आस्था का सहारा लेना चाहते हैं। कारसेवा आंदोलन के दौरान मेरे पिता भी पटना से कारसेवक के रूप में अयोध्या गए थे और उन्हें दो महीने तक जेल में रहना पड़ा था। उस समय मैं छोटा था और परिवार को यह चिंता रहती थी कि मेरे पिताजी कब लौटेंगे। भारतीय जनता पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं ने अपनी आस्था के लिए संघर्ष और बलिदान दिया है।

राहुल ने किए विदेशी ताकतों से समझौते

नवीन ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। कहा, राहुल ने देश हित से जुड़ें हर मुद्दों पर विदेशी ताकतों से समझौता किया। उन्हें भारत विरासत, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर नहीं, बल्कि केवल अपने परिवार पर गर्व है। जिस प्रकार अंग्रेजों ने %डिवाइड एंड रूल% की नीति अपनाई थी, उसी प्रकार कांग्रेस और अखिलेश यादव की राजनीति भी समाज को विभाजित करने की है।

योगी ने बनाया सुशासन का मॉडल

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सीएम योगी के कार्यों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश माफियाराज और तुष्टिकरण का प्रतीक था, योगी सरकार ने उसे कानून, विकास और सुशासन का मॉडल बनाया है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी ने गुंडाराज और माफियाराज को केवल जिलों से ही नहीं, बल्कि गांवों और कस्बों से भी समाप्त करने का कार्य किया है। पिछले 9 वर्षों में योगी के नेतृत्व में उप्र में विकास के नए-नए आयाम स्थापित हुए हैं।

अभद्र टिप्पणी और अनुशासनहीनता के आरोप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष पद से हटाए गए नितिन मित्तल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी में पिछले कई महीनों से चर्चा का विषय बने जिला उपाध्यक्ष नितिन मित्तल के विरुद्ध आखिरकार संगठनात्मक कार्रवाई कर दी गई है। पार्टी ने अभद्र टिप्पणी और अनुशासनहीनता के आरोपों को गंभीर मानते हुए उन्हें जिला उपाध्यक्ष पद से पदमुक्त कर दिया है। इस निर्णय के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में चचाओं का दौर तेज हो गया है। यह मामला पिछले लगभग तीन माह से संगठन के भीतर विवाद का कारण बना हुआ था और इसे लेकर कई स्तरों पर असंतोष भी सामने आया था।

भाजपा के जिलाध्यक्ष चौधरी चैनपाल सिंह द्वारा मंगलवार को जारी पत्र में स्पष्ट किया गया कि नितिन मित्तल को अभद्र टिप्पणी और अनुशासनहीन आचरण के कारण संगठन के जिला उपाध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से पदमुक्त किया जाता है। जिलाध्यक्ष ने इस कार्रवाई की सूचना प्रदेश नेतृत्व सहित पार्टी के संबंधित पदाधिकारियों को भी प्रेषित कर दी है। गौरतलब है कि भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष गीता कौशिक ने नितिन मित्तल पर सोशल मीडिया के माध्यम से अशोभनीय संदेश भेजने और अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगाए थे। इस संबंध में उन्होंने मोदीनगर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। हालांकि पुलिस स्तर पर मामला दर्ज होने के बाद भी संगठन की ओर से तत्काल कोई कार्रवाई नहीं होने पर महिला मोर्चा और कई अन्य कार्यकताओं में नाराजगी बढ़ती गई। बीते जून माह में मोदीनगर के एक सम्मेलन के दौरान गीता कौशिक और अन्य कार्यकताओं ने तत्कालीन क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिसौदिया का घेराव करते हुए विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की थी। उस घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर अनुशासन और महिला सम्मान के मुद्दे को प्रमुखता से सामने ला दिया था। मामला स्थानीय स्तर से निकलकर प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचा और संगठन के लिए असहज स्थिति का कारण बन गया। अब नितिन मित्तल को पदमुक्त किए जाने के बाद माना जा रहा है कि संगठन ने अनुशासन और कार्यकताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह कदम उठाया है। हालांकि इस पूरे प्रकरण में आगे की संगठनात्मक और कानूनी कार्रवाई पर भी सभी की नजर बनी हुई है।

यूपी का तीसरा सबसे गर्म शहर काशी, 8.8 मिमी हुई मानसून की बारिश; बारिश का अलर्ट

वाराणसी, एजेंसी। काशी में अब मानसून जोर पकड़ने लगा है। रविवार को दिन में तीखी धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। 39.1 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ वाराणसी यूपी का तीसरा सबसे गर्म शहर रहा। वहीं, शाम को आंधी और बिजली चमकने के साथ इस मानसून सत्र की सर्वाधिक 8.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

एक जुलाई को मानसून आने के पांचवें दिन काशी में करीब 20 मिनट तक लगातार बारिश हुई। इस दौरान 41 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी भी चली। हालांकि, इससे तापमान में केवल दो से तीन डिग्री की ही गिरावट दर्ज की गई। रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक 39.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री अधिक 30.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आज बारिश का यलो अलर्ट

मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, जिले में आज भी बारिश का यलो अलर्ट जारी है। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान

केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। ऐसे में मानसूनी सक्रियता बढ़ने के संकेत हैं। प्रदेश में मौसमी सक्रियता बढ़ने से बादल गरजने, बिजली चमकने के साथ जोरदार बारिश की संभावना है।

पिंडरा में पेड़ गिरा, बिजली गिरने से पशु की मौत

पिंडरा सहित कई जगह सड़कों पर पेड़ गिरे और कई पशु बिजली की चपेट में आ गए। बारिश और आंधी के बीच पिंडरा-मिराशाह-कठिराव मार्ग पर रामपुर ओवरब्रिज के पास शीशम का एक बड़ा पेड़ गिर गया, जिससे करीब आधे घंटे तक आवागमन बाधित रहा।

वहीं, देर तक विद्युत आपूर्ति ठप रहने से पेयजल नलकूपों से जलापूर्ति भी बाधित रही। सिंधुरिया में बिजली गिरने से साहब लाल यादव की एक गाय मर गई। एसडीओ गुलाबचंद ने बताया कि पेड़ गिरने से केवल फूलपुर फीडर की आपूर्ति ठप रही। बाकी क्षेत्रों में आपूर्ति बहाल हो गई

प्रेमिका ने शादी से किया मना, तो घर में घुसा प्रेमी; 13 साल के भाई को किया अगवा ; तलाश में जुटी पुलिस

आगरा, एजेंसी। आगरा के पिनाहट कस्बे के एक मोहल्ले में प्रेमिका से शादी की जिद पर अड़े प्रेमी ने दुस्साहसिक घटना को अंजाम दिया। रविवार सुबह युवती के घर में चाकू लेकर घुस गया। घर में मौजूद महिलाओं से अभद्रता की। जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद युवती के 13 साल के भाई की गर्दन पर चाकू लगाकर अगवा कर ले गया। किशोर की बहनों और मां ने पीछा किया। मगर प्रेमी अपने साथी के साथ बाइक से उसे ले भागा। घटना की जानकारी पर पुलिस की तीन टीमें किशोर की तलाश में लगी हैं। सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई।

कस्बा पिनाहट के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि बेटी से क्षेत्र का मौसिम खान काफी समय से शादी की जिद पर

अड़ा है। वह उससे बेटी की शादी नहीं करना चाहते हैं। एक साल पहले परिवार के लोगों के बीच पंचायत भी हुई। मगर इन्कार कर दिया। अब फिर से वो दबाव बना रहा था। बेटी के रिश्ते की बात कहीं और चल रही है। इसकी जानकारी मौसिम को हो गई। इससे वो नाराज था।

वह रविवार को बड़े बेटे के साथ मंडी गए थे। घर पर 13 साल का बेटा, दोनों बेटियां और पत्नी ही थीं। सुबह तकरीबन 10:30 बजे मौसिम जबरन घर में घुस गया। बेटियों और पत्नी के विरोध करने पर चाकू निकाल लिया। तीनों से आरोपी ने अभद्रता की। विरोध पर जान से मारने की धमकी देने लगा। शादी का दबाव भी बनाया। युवती की मां ने मना कर दिया। इससे नाराज होकर मौसिम ने युवती के 13 वर्षीय भाई को पकड़ लिया। उसकी गर्दन पर चाकू रख दिया।

महिलाओं के विरोध करने पर उसकी गर्दन काटने की धमकी देने लगा। इसके बाद घर के बाहर निकल आया। महिलाओं का शोर सुनकर पड़ोस की महिलाएं भी आ गईं। मगर आरोपी के हाथ में चाकू देखकर कोई कुछ नहीं कर सका। बाद में आरोपी पैदल ही बेटे को 500 मीटर दूर घर से गली के बाहर ले आया। उसका साथी बाइक स्टार्ट करके खड़ा हुआ था। वह उसके साथ बेटे को बैठाने के बाद भाग गया।

घटना की जानकारी पर अन्य परिजन भी आ गए। बेटे की तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। घटना की जानकारी पर थाना पुलिस भी पहुंच गई। मामले में पिनाहट थाने में आरोपी मौसिम खान के खिलाफ अपहरण की प्राथमिकी दर्ज की गई है। अगवा किशोर को मुक्त कराने के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। घटना मोहल्ले में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई हैं।

ऑपरेशन तलाश अभियान में वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत सिम्भावली थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को उसके घर से हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वारंटी की पहचान कपिल पुत्र मुखबीर, निवासी ग्राम हरोड़ा, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। आरोपी की लंबे समय से तलाश की जा रही थी। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने उसके संभावित ठिकाने पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक राजवीर सिंह तथा आरक्षी गोविंद सिंह की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में न्यायालय से जारी वारंटों के प्रभावी क्रियान्वयन और वांछित एवं वारंटी

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। साथ ही अन्य फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार दबिश दी जा रही है, ताकि कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

स्तन कैंसर भी हो सकता है लड़खड़ाते कदमों की वजह

लखनऊ, एजेंसी। स्तन में गांठ या फिर आकार बदलना ही स्तन कैंसर का एकमात्र लक्षण नहीं है। चलने-फिरने में समस्या या फिर शरीर का संतुलन बिगड़ने जैसी न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी स्तन कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, केजीएमयू, एम्स रायबरेली, एरा और टीएस मिश्रा मेडिकल कॉलेज के साझा अध्ययन में यह बात सामने आई है। इसे एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी जर्नल के ताजा अंक में स्थान मिला है।

केजीएमयू में न्यूरोलॉजी विभाग के पूर्व एवं एरा मेडिकल कॉलेज में न्यूरोलॉजी के वर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो. आरके गर्ग ने इस अध्ययन की अगुवाई की। इसमें दुनिया भर में प्रकाशित 172 मरीजों के मामलों और 275 मरीजों वाले 17 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया

कि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं और तंत्रिका तंत्र में मौजूद समान प्रोटीनों पर एक साथ हमला कर देती है। इस वजह से शरीर में इनके खिलाफ प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि किसी महिला में बिना स्पष्ट कारण के अचानक संतुलन बिगड़ना, पार्किंसन जैसे लक्षण, शरीर में अकड़न या आंखों की असामान्य गतिविधियां विकसित हों तो चिकित्सकों को स्तन कैंसर की आशंका भी ध्यान में रखनी चाहिए। ऐसे मामलों में समय पर जांच से कैंसर का जल्द पता लगाया जा सकता है। इससे इलाज के बेहतर अवसर मिल सकते हैं।

77 फीसदी मामलों में बीमारी से पहले नजर आए लक्षण : अध्ययन के अनुसार, स्तन कैंसर से जुड़े न्यूरोलॉजिकल विकारों में सबसे अधिक मामले सेरिबेलर सिंड्रोम (मस्तिष्क के संतुलन नियंत्रित करने वाले हिस्से की बीमारी) के पाए गए। कुल मामलों में से करीब 77 प्रतिशत मरीजों में न्यूरोलॉजिकल लक्षण कैंसर की पहचान से पहले सामने आए। इनमें चलने में लड़खड़ाहट, बोलने में दिक्कत, चक्कर, आंखों की असामान्य गतिविधियां और कंपकंपी जैसे लक्षण शामिल थे। सेरिबेलर मामलों में 60.9 प्रतिशत मरीजों की स्थिति स्थिर रहने या बिगड़ने की रिपोर्ट मिली, जबकि 26.8 प्रतिशत मरीजों की मृत्यु हो गई।

आरडीए की कमान डॉ. अख्तर के हाथ, महासचिव बने डॉ. जरगाम

अलीगढ़, एजेंसी। एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के वर्ष 2026-27 के चुनाव में डॉ. अख्तर अली को अध्यक्ष, डॉ. तौसीफ खान को उपाध्यक्ष, डॉ. मोहम्मद जरगाम काजी को महासचिव और डॉ. आकिब खान को कोषाध्यक्ष चुना गया है। डॉ. अली पिछली कार्यकारिणी में महासचिव भी रह चुके हैं। रविवार को सुबह 10 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई, जो शाम पांच बजे तक जारी रही। इसके बाद मतगणना हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. अजीम फारूकी ने बताया कि कुल 684 मतदाताओं में से 539 डॉक्टरों ने मतदान किया, जो 78.80 प्रतिशत रहा।

अध्यक्ष पद के त्रिकोणीय मुकाबले में डॉ. अख्तर अली ने 268 मत प्राप्त करके शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी डॉ. मोहम्मद इरफान को हरा दिया, जिन्हें 164 मत मिले। डॉ. सीके प्रभाकरन को 103 मत प्राप्त हुए, जो तीसरे स्थान पर रहे। चार मत अवैध घोषित पाए गए। उपाध्यक्ष पद पर डॉ. तौसीफ खान ने जीत हासिल की, उन्हें 240 मत मिले। इस पद पर डॉ. फैजान खान और डॉ. लखन प्रकाश को 149-149 मत मिले, जबकि एक मत अवैध रहा। महासचिव पद पर डॉ. मोहम्मद जरगाम काजी और डॉ. शेख मोहम्मद आरिफ के बीच सीधा मुकाबला हुआ।

डॉ. काजी को 391 मत मिले, जबकि डॉ. आरिफ को 145 मत प्राप्त हुए। तीन मत अवैध पाए गए। कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. आकिब खान ने विजय हासिल की, उन्हें 370 मत मिले, जबकि डॉ. विकास चौधरी को 166 मत मिले। तीन मत अवैध घोषित हुए। चुनाव के बाद मेडिकल कॉलेज के आरडीए कार्यालय में जश्न मनाया गया।आरडीए के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष पद चुनाव जीतने वाले विजेताओं ने 200 से ज्यादा मत हासिल किए हैं।

व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश, जिलाधिकारी ने अधिकारियों की तय की जवाबदेही

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने व्यापार और यातायात व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने रूपवास बाईपास के अधूरे निर्माण कार्य, दादरी रेलवे रोड के अधूरे निर्माण, तिगड़ी क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण लगने वाले यातायात जाम, सड़कों पर गड्ढों तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को विस्तार से रखा। व्यापारियों ने कहा कि इन समस्याओं के कारण व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और आम लोगों को भी प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारियों द्वारा उठाए गए प्रत्येक बिंदु पर गंभीरता

से कार्रवाई की जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। व्यापारियों और प्रशासन के बीच नियमित संवाद से समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। बैठक में प्राप्त सुझावों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रियंका, राज्य कर विभाग के प्रशासनिक उप आयुक्त अजीत कुमार सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा जिले के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्क्रूटनी में 45 अंक बढ़ने से जनपद का टॉपर बना छात्र, बोर्ड की लापरवाही से सम्मान से रहा वंचित

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की मूल्यांकन प्रक्रिया में हुई कथित गंभीर त्रुटि ने एक मेधावी छात्र की उपलब्धि पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। एसएसवी इंटर कॉलेज, हापुड़ के छात्र प्रियांशु को इंटरमीडिएट परीक्षा के प्रारंभिक परिणाम में रसायन विज्ञान विषय में मात्र 53 अंक दिए गए थे। कम अंक मिलने के कारण वह जनपद की मेरिट सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त नहीं कर सका। परिणाम पर संदेह होने के बाद छात्र ने उत्तरपुस्तिका की स्क्रूटनी के लिए आवेदन किया। स्क्रूटनी के बाद रसायन विज्ञान में उसके अंक 53 से बढ़कर 98 हो गए। इस प्रकार एक ही विषय में 45 अंकों की बढ़ोतरी हुई और उसके कुल अंक 420 से बढ़कर 465 हो गए। संशोधित परिणाम के आधार पर प्रियांशु जनपद का इंटरमीडिएट टॉपर बन गया। प्रियांशु इससे पहले वर्ष 2024 की हाईस्कूल परीक्षा में भी जनपद का टॉपर रह चुका है। परिजनों और विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि यदि उत्तरपुस्तिका का

मूल्यांकन पहली बार ही सही ढंग से किया गया होता तो छात्र को मानसिक तनाव का सामना नहीं करना पड़ता। साथ ही उसे जनपद स्तर पर आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हो जाता।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार स्क्रूटनी का परिणाम एक जून को आयोजित जनपद स्तरीय सम्मान समारोह के बाद घोषित किया गया। इस कारण वास्तविक टॉपर होने के बावजूद प्रियांशु सम्मान और पुरस्कार से वंचित रह गया। इसे न केवल छात्र के साथ अन्याय बताया जा रहा है, बल्कि परिषद की मूल्यांकन व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस मामले को लेकर सोमवार को एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक सुधीर अग्रवाल ने जिलाधिकारी कविता मीना को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मूल्यांकन में हुई लापरवाही और स्क्रूटनी परिणाम जारी करने में हुई देरी की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने, प्रियांशु को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू करने का अनुरोध किया गया है। प्रबंधक ने यह भी मांग की है कि संशोधित मेरिट सूची के अनुसार प्रियांशु को जनपद के प्रथम स्थान का सम्मान, प्रशस्ति पत्र तथा निर्धारित पुरस्कार राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने जिलाधिकारी को छात्र के मूल अंकपत्र और स्क्रूटनी के बाद जारी संशोधित अंकपत्र की प्रतियां भी सौंपी हैं। अब इस मामले में जिला प्रशासन की कार्रवाई और माध्यमिक शिक्षा परिषद का रुख महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

घर में घुसकर मारपीट और जातिसूचक टिप्पणी के दोषी चार सगे भाइयों को तीन-तीन वर्ष का कारावास

बिजनौर (शिखर समाचार)। रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव जस्सुजोत में करीब साढ़े सात वर्ष पहले खेत के मामूली विवाद को लेकर एक परिवार के घर में घुसकर मारपीट करने, महिलाओं सहित परिजनों को घायल करने तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने के मामले में विशेष न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के विशेष सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार सिंह ने चार सगे भाइयों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को तीन तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही चारों दोषियों पर कुल 26 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।

विशेष लोक अभियोजक शलभ शर्मा के अनुसार, रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव जस्सुजोत निवासी नैन सिंह ने घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में बताया गया कि 19 नवंबर 2018 की शाम वह अपने खेत की जुताई कर रहे थे। इसी दौरान खेत में रखी लकड़ियों की एक गड्डी पड़ोसी के खेत में गिर गई। इस मामूली बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गांव निवासी राम सिंह के पुत्र ऋषिपाल, रिंकू, रघुवीर और खेम सिंह नैन सिंह के घर में घुस आए और तोड़फोड़ शुरू कर दी।

विरोध करने पर आरोपियों ने नैन सिंह की पत्नी चंद्रो देवी, बेटी संजीता तथा बेटे को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया तथा पुलिस में शिकायत करने पर जान

से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद रेहड़ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया और मामले की विवेचना शुरू की।

विवेचना के दौरान तत्कालीन पुलिस क्षेत्राधिकारी अफजलगढ़ कृपा शंकर कनौजिया ने साक्ष्य संकलित कर चारों आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर आरोपों को सिद्ध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद विशेष सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार सिंह ने चारों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को तीन वर्ष के कारावास तथा कुल 26 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। न्यायालय के आदेश के बाद दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

इंटर कॉलेज के शिक्षक पर छात्रा से छेड़छाड़ और अश्लील संदेश भेजने का आरोप, मुकदमा दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिल्ली रोड स्थित एसएसवी इंटर कॉलेज के एक शिक्षक के विरुद्ध कक्षा 12 की छात्रा से कथित छेड़छाड़, अश्लील संदेश भेजने और धमकी देने के आरोप में नगर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्रा की तहरीर के आधार पर दर्ज प्रकरण के बाद कॉलेज प्रशासन ने भी मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित छात्रा का आरोप है कि कॉलेज के अर्थशास्त्र शिक्षक डॉ. विजय कुमार मित्तल पिछले करीब दो वर्षों से उसके प्रति अनुचित व्यवहार कर रहे थे। छात्रा के अनुसार शिक्षक कक्षा में आपत्तिजनक टिप्पणियां करते थे और उसे असहज महसूस कराते थे। आरोप है कि शिक्षक ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम के माध्यम से भी अश्लील और आपत्तिजनक संदेश भेजे। छात्रा का कहना है कि आरोपी ने उससे यह भी कहा कि वह उसे पसंद करता है तथा गले मिलने जैसी अनुचित बातें करता था। इसके अलावा उसे घर पर अकेले होने के दौरान बुलाने का भी आरोप लगाया गया है। छात्रा ने पुलिस को दी गई शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि जब उसने शिक्षक के व्यवहार का विरोध किया तो उसे परीक्षा में असफल करने और भविष्य खराब करने की धमकी दी गई। आरोपों के अनुसार लगातार मानसिक दबाव और उत्पीड़न के कारण छात्रा काफी परेशान रही। बताया गया है कि पीड़ित छात्राओं ने पहले कॉलेज के प्रधानाचार्य को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन उनकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के बाद उन्होंने नगर कोतवाली पहुंचकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि छात्रा की तहरीर के आधार पर आरोपी शिक्षक डॉ. विजय कुमार मित्तल के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है और सभी पक्षों के बयान तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कॉलेज प्रशासन ने भी घटना की गंभीरता को देखते हुए अपने स्तर पर जांच शुरू करने की बात कही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

डीसीपी धवल जायसवाल ने किया थाना विजय नगर का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने मंगलवार को थाना विजय नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की समस्त व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन करते हुए पुलिस कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रखरखाव तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण का उद्देश्य थाना स्तर पर संचालित पुलिस कार्यों की गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता एवं जनसुरक्षा संबंधी तैयारियों का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने थाना परिसर में साफ-सफाई, कार्यालयों की व्यवस्था, रिकॉर्ड संधारण तथा विभिन्न शाखाओं के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाना, हवालात और शस्त्रागार का भी जायजा लिया तथा वहां उपलब्ध संसाधनों, सुरक्षा मानकों और रखरखाव की स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर थाना प्रभारी धर्मपाल सिंह एवं अन्य पुलिस

अधिकारियों ने विभिन्न अभिलेखों और व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। पुलिस उपायुक्त ने थाना अभिलेखों की जांच करते हुए लंबित विवेचनाओं, अपराध संबंधी आंकड़ों तथा अपराध नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेखों का नियमित रूप से अद्यतन किया जाए तथा रिकॉर्ड संधारण में पूर्ण पारदर्शिता और शुद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग के लिए अभिलेखों का व्यवस्थित और अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुए क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाई जाए तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। साथ ही महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं आम जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने थाना परिसर की सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग के साथ-साथ जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करना भी आवश्यक है, जिससे आम नागरिकों का पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हो सके। पुलिस उपायुक्त ने थाना विजय नगर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनुशासन, तत्परता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

मानव सेवा मिशन की नई कार्यकारिणी का गठन, विनोद गुप्ता अध्यक्ष और दिनेश माहेश्वरी बने महामंत्री

हापुड़ (शिखर समाचार)। मानव सेवा मिशन, हापुड़ (पंजीकृत) की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को सर्वसम्मति से कर दिया गया। रेवतीकुंज स्थित गुप्ता फूड लेबोरेटरी में आयोजित बैठक में संगठन के सभी पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। चुनाव अधिकारी राजकुमार त्यागी ने निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराते हुए बताया कि किसी भी पद पर एक से अधिक नामांकन प्राप्त नहीं हुए। ऐसे में सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया के बाद विनोद कुमार गुप्ता को मानव सेवा मिशन का अध्यक्ष, दिनेश कुमार माहेश्वरी को महामंत्री तथा राकेश कुमार महेश को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त उप महामंत्री, लेखा परीक्षक, प्रचार मंत्री, विधिक सलाहकार, आर्थिक सलाहकार तथा संगठन मंत्री सहित अन्य पदों पर भी सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए

संगठन के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मानव सेवा मिशन की अनुशासन समिति का भी गठन किया गया, जिसमें गिरीश अग्रवाल, रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, अरुण अग्रवाल, सत्यप्रकाश गुप्ता, सुरेश सिंघल, राजेश अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, सचिन गुप्ता, नरेन्द्र शर्मा, मुकेश माहेश्वरी सहित कुल 16 सदस्यों को शामिल किया गया। समिति का उद्देश्य संगठन में अनुशासन बनाए रखना तथा सेवा गतिविधियों के प्रभावी संचालन में सहयोग प्रदान करना रहेगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मानव सेवा मिशन लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। नई कार्यकारिणी से संगठन की गतिविधियों को और अधिक गति मिलेगी तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाया जाएगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता और महामंत्री दिनेश कुमार माहेश्वरी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि संगठन की गरिमा और उद्देश्य के अनुरूप पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के सहयोग से मानव सेवा मिशन को समाज सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 686 किलोग्राम टमाटर कैचप सीज, पांच खाद्य पदार्थों के नमूने जांच को भेजे

हापुड़ (शिखर समाचार)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में मिलावटी एवं मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान धौलाना स्थित एक खाद्य इकाई में कार्रवाई करते हुए लगभग 686 किलोग्राम टमाटर कैचप सीज कर दिया गया। इसके अलावा चीज सॉस, टमाटर कैचप, मिश्रित फल जैम तथा कलौंजी टमाटर की चटनी सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय चन्द्र शेखर मिश्र ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त के निर्देश तथा जिलाधिकारी कविता मीना के मार्गदर्शन में गठित सचल दल ने यह कार्रवाई की। अभियान के तहत यूपीएसआईडीसी फेज-2, धौलाना स्थित डेंगी एग्रो फूड इंडस्ट्रीज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टमाटर कैचप और चीज ड्रेसिंग का एक-एक नमूना संग्रहित किया गया। साथ ही लगभग एक लाख रुपये मूल्य का 686 किलोग्राम टमाटर कैचप सीज कर विधिक कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व सोमवार को दिल्ली रोड स्थित रिलायंस रिटेल लिमिटेड (स्मार्ट प्वाइंट) से भी चीज सॉस, टमाटर कैचप, मिश्रित फल जैम तथा कलौंजी टमाटर की चटनी का एक-एक नमूना लिया गया था। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए खाद्य

विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। चन्द्र शेखर मिश्र ने कहा कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि खाद्य पदार्थ निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए तो संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहित कुमार, विपिन कुमार सिंह और राम प्रकाश गंगवार शामिल रहे।

दरोगा से हाथापाई की चर्चा, पुलिस ने बताया अफवाह, शराब पीकर हंगामा करने पर आरोपी गिरफ्तार

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र में सोमवार शाम एयरपोर्ट निर्माण स्थल के समीप शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवक को चिकित्सीय परीक्षण के लिए ले जाते समय उसके द्वारा पुलिस की गिरफ्त से छूटकर भागने का प्रयास किए जाने की घटना सामने आई। इस दौरान दरोगा के साथ हाथापाई होने की चर्चा भी क्षेत्र में फैल गई, लेकिन पुलिस ने ऐसे किसी भी आरोप से स्पष्ट इनकार करते हुए कहा कि आरोपी के विरुद्ध केवल सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर शांति भंग करने और हंगामा करने के मामले में विधिक कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार शाम एयरपोर्ट निर्माण स्थल के पास एक युवक शराब के नशे में राहगीरों और स्थानीय लोगों के बीच हंगामा कर रहा था। लोगों की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर चिकित्सीय परीक्षण के लिए वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने लगी। वाहन में एक पुलिसकर्मी चालक की सीट पर था, जबकि आरोपी के साथ पीछे दरोगा बैठे थे। बताया जाता है कि नगर पंचायत कार्यालय मार्ग पर पहुंचने के दौरान आरोपी ने अचानक पुलिस की पकड़ से छूटकर भागने का प्रयास किया। दरोगा ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने विरोध करते हुए खुद को छुड़ाने का प्रयास किया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा तफरी की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आरोपी को पूरी तरह काबू में लेकर थाने ले जाया गया। इसके बाद क्षेत्र में दरोगा के साथ हाथापाई की चर्चाएं फैल गईं। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इन चर्चाओं को निराधार बताया है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि दरोगा के साथ हाथापाई होने की बात सही नहीं है। उन्होंने कहा कि आरोपी सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर हंगामा कर रहा था, जिसके चलते उसे हिरासत में लिया गया। चिकित्सीय परीक्षण सहित आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्ती जारी रहेगी।

निमार्णाधीन मकान में काम के दौरान करंट लगने से मजदूर की मौत, परिजनों ने मुआवजे की मांग उठाई

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र की आर एंड आर कॉलोनी में निमार्णाधीन मकान पर कार्य करते समय विद्युत करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मृतक के परिजनों ने हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई तथा आर्थिक सहायता और मुआवजा दिए जाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार झांसी निवासी राजेश ने बताया कि उनका रिश्तेदार गोविंद (45) जेवर की आर एंड आर कॉलोनी स्थित एक निमार्णाधीन मकान में दूसरी मंजिल पर मजदूरी का कार्य कर रहा था। इसी दौरान मकान के समीप से गुजर रही उच्च क्षमता की विद्युत लाइन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। हादसा होते ही मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और स्थानीय लोगों में अफरा तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल गोविंद को उपचार के लिए कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। परिवार का कहना है कि गोविंद ही परिवार के भरण पोषण का मुख्य सहारा था और उसकी असामयिक मृत्यु से परिवार आर्थिक संकट में आ गया है। परिजनों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता, उचित मुआवजा तथा हादसे की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि निर्माण स्थलों के आसपास गुजर रही विद्युत लाइनों के कारण पहले भी हादसों की आशंका जताई जाती रही है। ऐसे में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

बिजली की केबल लगाने के विवाद में मारपीट, तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा क्षेत्र के गांव हाजीपुर में बिजली की केबल लगाने को लेकर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि मामूली कहासुनी के बाद तीन लोगों ने एक युवक के साथ मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी दी। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव हाजीपुर निवासी योगेश ने बताया कि वह अपने घर के लिए बिजली की लाइन पर केबल लगा रहे थे। इसी दौरान गांव के प्रवीण, शुभम और प्रमोद वहां पहुंच गए और केबल लगाने का विरोध करने लगे। आरोप है कि तीनों ने पहले गाली-गलौज की और जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान योगेश को चोटें आईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे वह और उनका परिवार भयभीत है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद पीड़ित ने रबूपुरा थाने पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत पुलिस को दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। घटनास्थल और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गाली गलौज का विरोध करने पर युवक से मारपीट, तीन नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा क्षेत्र के गांव म्याना में गाली गलौज का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि तीन लोगों ने मामूली विवाद के बाद युवक के साथ लात घूंसों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में गांव म्याना निवासी विनोद ने बताया कि सोमवार शाम वह गांव स्थित मोहन बाबा मंदिर परिसर में बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव निवासी चिंटू, दीपक तथा दीपक का जीजा कृष्ण एक स्कॉर्पियो वाहन से वहां पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने बिना किसी कारण उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली गलौज शुरू कर दी। जब विनोद ने इसका विरोध किया तो आरोपी आक्रोशित हो गए और उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान विनोद को चोटें आईं। शोर शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े तो आरोपी पीड़ित को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इसके बाद घायल ने उपचार कराने के साथ रबूपुरा थाने पहुंचकर घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर तीनों नामजद आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

राज चौराहे के पास ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर राज चौराहे के निकट मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार 62 वर्षीय व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार महेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी हवलदार सिंह राज चौराहे के समीप स्थित एक प्रतिष्ठान पर कार्य करते थे। वह प्रतिदिन की तरह मंगलवार सुबह साइकिल से अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे। जैसे ही वह राज चौराहे के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हवलदार सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक क्षेत्र में लंबे समय से परिचित होने के कारण स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। कुछ ही देर में परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए, जिनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। तहरीर मिलने पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की कूटनीति की नई परीक्षा

विश्व राजनीति इन दिनों ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां शक्ति संतुलन, आर्थिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और तकनीकी प्रभुत्व की होड़ पहले से कहीं अधिक तेज हो चुकी है। एक ओर विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष और तनाव की स्थितियां बनी हुई हैं, तो दूसरी ओर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे समय में भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक क्षमता की परीक्षा भी लगातार हो रही है। जुलाई 2026 का पहला सप्ताह इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य की ओर संकेत करता है, जहां दुनिया के बड़े देश अपने अपने हितों की रक्षा में जुटे हैं और भारत को संतुलित, स्वतंत्र तथा दूरदर्शी नीति के साथ आगे बढ़ना है। बीते कुछ वर्षों में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी विदेश नीति किसी एक शक्ति केंद्र पर निर्भर रहने के बजाय राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली होगी। यही कारण है कि भारत ने विभिन्न देशों और समूहों के साथ अपने संबंधों को समान महत्व देते हुए बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का समर्थन किया है। आज भारत एक ओर विकसित देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक दक्षिण की आवाज बनकर विकासशील देशों के हितों की भी पैरवी कर रहा है। यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं है, क्योंकि हर वैश्विक संकट में महाशक्तियां अपने पक्ष में समर्थन जुटाने का प्रयास करती हैं।

विश्व अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता भी भारत के सामने बड़ी चुनौती है। महंगाई, ऊर्जा कीमतों में उतार चढ़ाव, वैश्विक व्यापार में बाधाएं और निवेश की बदलती दिशा का प्रभाव भारत जैसे उभरते देशों पर भी पड़ता है। यदि विश्व बाजार कमजोर होता है तो उसका असर निर्यात, रोजगार और औद्योगिक उत्पादन पर दिखाई देता है। इसलिए भारत को केवल घरेलू मांग पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत करने पर भी ध्यान देना होगा। विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का आधार बन सकते हैं।

ऊर्जा सुरक्षा आज किसी भी देश की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय बन चुकी है। तेल और गैस के आयात पर निर्भर भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाए और नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक बढ़ावा दे। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा और विद्युत वाहनों के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय पहल की है, लेकिन इन योजनाओं को गति देने के लिए निवेश, तकनीक और कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जितनी बढ़ेगी, वैश्विक संकटों का प्रभाव उतना ही कम होगा।

तकनीक की प्रतिस्पर्धा भी आज विश्व राजनीति का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, क्वांटम कंप्यूटिंग और डेटा संरक्षण जैसे विषय केवल तकनीकी नहीं, बल्कि रणनीतिक महत्व भी रखते हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल आबादी वाले देशों में शामिल है। इसलिए डिजिटल ढांचे की सुरक्षा, नागरिकों के डेटा की गोपनीयता और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना समय की मांग है। यदि भारत इस क्षेत्र में नेतृत्व स्थापित करने में सफल होता है तो वह आने वाले वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बन सकता है। भारत के लिए पड़ोसी देशों के साथ संबंध भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। स्थिर और शांतिपूर्ण पड़ोस किसी भी विकासशील राष्ट्र की प्राथमिक आवश्यकता होती है।

~ मौलिक चिंतन ~

सत्य देर से असर करता है, जबकि चाटुकारिता तुरंत नशा चढ़ा देती है।

© विनय संकोची

धर्म का धन : श्रद्धा की अमानत, स्वार्थ का साधन नहीं

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

समाज की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह उसकी आस्था है। धन, सत्ता, ज्ञान और संसाधन समय के साथ बदल सकते हैं, परंतु जिस समाज की आस्था जीवित रहती है, वह समाज हर संकट से उबरने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि मंदिर, स्थानक, तीर्थ, उपाश्रय और धर्मस्थल केवल ईंट-पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, तप, त्याग और विश्वास के जीवंत केंद्र होते हैं।

एक श्रद्धालु जब धर्मस्थल में प्रवेश करता है, तो वह केवल पूजा करने नहीं आता; वह अपने मन की व्यथा, आशा, कृतज्ञता और विश्वास भी वहीं अर्पित करता है। उसकी दक्षिणा केवल मुद्रा नहीं होती, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, उसके परिवार का विश्वास और धर्म के प्रति उसका समर्पण होता है। इसलिए धर्मस्थलों में आने वाला प्रत्येक अंश समाज की अमानत है।

दुर्भाग्य तब उत्पन्न होता है, जब धर्म के नाम पर प्राप्त धन या संसाधनों का उपयोग धर्म के उद्देश्य से हटकर व्यक्तिगत लाभ, वैभव, प्रतिष्ठा या स्वार्थ के लिए होने लगे। यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं होती, बल्कि समाज की आस्था पर कुठाराघात होता है। जिस धन में हजारों श्रद्धालुओं की भावनाएँ जुड़ी हों, उसका दुरुपयोग केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि आत्मा और अंतरात्मा का भी विषय है।

इतिहास साक्षी है कि धर्म का धन कभी किसी को स्थायी सुख नहीं दे पाया। जो संपत्ति छल, विश्वासघात या धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके अर्जित होती है, वह बाहर से भले वैभव का प्रदर्शन करे, पर भीतर शांति नहीं दे सकती। भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि अनुचित साधनों से प्राप्त धन अंततः विनाश का कारण बनता है। धर्म के धन के संदर्भ में यह बात और भी अधिक सत्य प्रतीत होती है, क्योंकि उसमें केवल धन नहीं, असंख्य लोगों की श्रद्धा समाहित होती है। जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने मानवता को संयम, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का अमूल्य संदेश दिया। इनमें अपरिग्रह का सिद्धांत विशेष रूप से आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। अपरिग्रह का अर्थ केवल अधिक वस्तुएँ न रखना नहीं है; इसका वास्तविक अर्थ है–लोभ, स्वार्थ, संग्रह की मानसिकता और अधिकार के दुरुपयोग से स्वयं को मुक्त करना।

यदि धर्म से जुड़े व्यक्ति ही अपरिग्रह को भूल जाएँ और धर्म को संग्रह, प्रभाव या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन बना लें, तो भगवान महावीर के संदेश का सार ही समाप्त हो जाता है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसके अहंकार को छोटा करना है। धर्म हमें अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व सिखाता है; संग्रह नहीं, समर्पण सिखाता है; स्वार्थ नहीं, सेवा का मार्ग दिखाता है। धर्मस्थलों का निर्माण समाज के सहयोग से होता है। एक गरीब व्यक्ति अपनी छोटी-सी बचत से दान देता है, कोई किसान अपनी उपज का अंश अर्पित करता है, कोई व्यापारी अपनी आय का हिस्सा धर्मकार्य में लगाता है। सभी की भावना एक ही होती है–धर्म जीवित रहे, संस्कृति सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इन मूल्यों से जुड़ी रहें। ऐसे में यदि उस विश्वास को ठेस पहुँचती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज आहत होता है।

आज आवश्यकता आरोप लगाने या विवाद बढ़ाने की नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि की है। धर्मस्थलों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए। आय-व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा, समाज के प्रति जवाबदेही और धर्म के उद्देश्य के अनुरूप संसाधनों का उपयोग–ये केवल प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि धार्मिक मर्यादाएँ हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि धर्म की रक्षा केवल दान देने से नहीं होती, बल्कि धर्म की मर्यादाओं की रक्षा करने से होती है। जहाँ पारदर्शिता है, वहाँ विश्वास बढ़ता है; जहाँ विश्वास बढ़ता है, वहीं धर्म फलता-फूलता है। यदि कहीं त्रुटि दिखाई दे, तो उसका समाधान भी धर्मसम्मत, संयमित और संवादपूर्ण तरीके से होना चाहिए। कटुता, आरोप और वैमनस्य किसी भी धार्मिक वातावरण को शुद्ध नहीं बना सकते।

हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि व्यक्ति से बड़ा धर्म है, पद से बड़ी मर्यादा है और संस्था से बड़ी आस्था है। व्यक्ति बदल सकते हैं, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, परंतु धर्म और उसकी प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। यदि धर्म की पवित्रता सुरक्षित रहेगी, तो समाज का विश्वास भी अडिग रहेगा।

भगवान महावीर का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा वैभव संग्रह में नहीं, त्याग में है; अधिकार में नहीं, उत्तरदायित्व में है; और बाहरी संपत्ति में नहीं, अंतःकरण की निर्मलता में है। यही संदेश आज प्रत्येक धार्मिक संस्था, प्रत्येक पदाधिकारी और प्रत्येक श्रद्धालु के लिए समान रूप से प्रासंगिक है।

आइए, संकल्प लें कि धर्म को कभी स्वार्थ का साधन नहीं बनने देंगे। मंदिर, स्थानक और तीर्थ केवल भवन नहीं, हमारी आत्मा के प्रतीक हैं। उनकी पवित्रता, पारदर्शिता और मर्यादा की रक्षा करना हम सभी का नैतिक और धार्मिक कर्तव्य है। जब धर्म शुद्ध रहेगा, तभी समाज सुदृढ़ रहेगा; और जब आस्था सुरक्षित रहेगी, तभी संस्कृति अमर रहेगी।

पंजाब ने बड़ी कीमत देकर शांति पाई, सतलुज के जरिये पुराने जख्मों को कुरेदना गलत है

नीरज कुमार दुबे

पंजाब के अशांत दौर, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति की बहस के बीच एक बार फिर विवादों के केंद्र में आई फिल्म सतलुज ने देशभर में तीखी बहस छेड़ दी है। अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। लेकिन यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पंजाब के उस संवेदनशील और खून से सने दौर की कहानी को दोबारा सामने लाने की कोशिश है, जब आतंकवाद, अलगाववाद और सीमापार से प्रायोजित हिंसा ने पूरे राज्य को भय और अस्थिरता में धकेल दिया था। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच से हटाने का फैसला न केवल उचित दिखाई देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी जिम्मेदार लोकतंत्र का कर्तव्य होता है।

हम आपको बता दें कि यह फिल्म पहले घल्लूघारा नाम से शुरू हुई थी। बाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्तियों के बाद इसका नाम पंजाब-95 रखा गया और अंततः इसे सतलुज नाम से प्रदर्शित किया गया। फिल्म की विषयवस्तु पंजाब पुलिस के आतंकवाद विरोधी अभियान और उस दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि जसवंत सिंह खालड़ा ने 1984 से लेकर 1994 के बीच हजारों अज्ञात शवों के कथित अंतिम संस्कार के मामलों की जांच की थी। बाद में उनका खुद का अपहरण हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। अदालत ने इस मामले में कुछ पुलिसकर्मियों को दोषी भी ठहराया था।

देखा जाये तो इन तथ्यों से किसी को इंकार नहीं हो सकता कि पंजाब ने उस दौर में अत्यंत पीड़ा झेली। हजारों निर्दोष लोग मारे गए, परिवार उजड़ गए और भय का वातावरण पूरे राज्य पर छाया रहा। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनके दर्द के प्रति संवेदना व्यक्त करना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उस समय पंजाब किस परिस्थिति से गुजर रहा था, इसे भी ईमानदारी से समझा जाए। सीमापार से आतंकवाद को खुला समर्थन मिल रहा था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां पंजाब को अस्थिर करने के लिए सक्रिय थीं। अलगाववादी संगठन खुलेआम हथियारबंद हिंसा चला रहे थे। पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, नेताओं और आम नागरिकों की हत्याएं रोजमर्रा की खबर बन चुकी थीं।

ऐसे भयावह दौर में पंजाब पुलिस ने जिस कठोर अभियान को चलाया, उसी के कारण राज्य धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौट सका। उस समय के पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल को लेकर आज अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अगर पंजाब पुलिस और सुरक्षा बल कठोर कार्रवाई नहीं करते, तो शायद पंजाब आज भी आतंकवाद की आग में झुलस रहा होता। जिन्होंने उस दौर को अपनी आंखों से देखा है, वह जानते हैं कि हालात कितने गंभीर थे। केपीएस गिल और उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ जो अभियान चलाया, उसी ने पंजाब को अलगाववाद और बंदूक की राजनीति से बाहर निकालने में निर्णायक भूमिका निभाई। आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी? अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था? यदि आज कोई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर कोई कदम उठाती है, तो उसे तानाशाही कहना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इसी के साथ पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। कहीं आम आदमी पार्टी यह तो नहीं चाहती कि विधानसभा चुनावों में उसके कामकाज की बजाय इतिहास की घटनाएं ही मुद्दा बन जायें? सभी को यह समझना होगा कि इतिहास से सीख लेना आवश्यक है, लेकिन इतिहास को वर्तमान पर इस तरह हावी कर देना कि भविष्य ही प्रभावित होने लगे, किसी भी राज्य और समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। पंजाब को आज विकास, रोजगार, नशे के खिलाफ कड़े कदम और कानून व्यवस्था सुधारने जैसे वास्तविक मुद्दों पर आगे बढ़ने की जरूरत है, न कि पुराने घावों को बार बार कुरेदकर राजनीतिक लाभ लेने की। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि पंजाब कोई सामान्य राज्य नहीं, बल्कि देश का सीमावर्ती और अत्यंत संवेदनशील प्रदेश है। यहां के सामाजिक और धार्मिक तानेबाने को बिगाड़ने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं और आज भी दुश्मन ताकतें मौके की तलाश में रहती हैं। ऐसे में पुराने घावों को इस प्रकार कुरेदना, जिससे समाज में नई वैमनस्यता पैदा हो, बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि किसी भी संवेदनशील विषय को बिना व्यापक सामाजिक परिणामों पर विचार किए प्रस्तुत कर दिया जाए।

फिल्म के प्रदर्शन को लेकर जिस प्रकार विवाद बढ़ा, उसने यह भी दिखाया कि ओटीटी मंचों के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों की आवश्यकता है। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड ने अनेक कट लगाने के सुझाव दिए थे। पहले 21 कट और बाद में 120 से अधिक संशोधनों की बात सामने आई। इसके बावजूद फिल्म निमार्ताओं ने नया नाम देकर इसे ओटीटी मंच पर जारी कर दिया। ऐसे में सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना स्वाभाविक था। यदि किसी सामग्री से सामाजिक तनाव या अलगाववादी भावनाओं को हवा मिलने की आशंका हो, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह समय रहते कदम उठाए।

दिलचस्प बात यह भी रही कि अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने स्वयं पहले ही आशंका जता दी थी कि फिल्म को भारत में हटाया जा सकता है। बाद में उन्होंने लोगों से इसे डाउनलोड कर दूसरों को दिखाने की अपील भी की। यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। जब मामला इतना संवेदनशील हो, तब जिम्मेदार कलाकारों को समाज में शांति और संतुलन बनाए रखने का संदेश देना चाहिए, न कि विवाद को और भड़काने वाला व्यवहार करना चाहिए। यह सही है कि इतिहास के कठिन अध्यायों पर चर्चा होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय और सम्मान मिलना चाहिए। लेकिन किसी भी चर्चा का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि सीख देना होना चाहिए। पंजाब ने बहुत खून बहते देखा है। वहां की नई पीढ़ी शांति, विकास और भाईचारे के साथ आगे बढ़ना चाहती है। ऐसे समय में किसी भी प्रकार की ऐसी प्रस्तुति, जिससे अलगाववादी मानसिकता को बल मिले या सुरक्षा बलों के मनोबल पर आघात पहुंचे, उसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। बहरहाल, सरकार का निर्णय इसी व्यापक राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी ऊपर राष्ट्र की एकता, सामाजिक सद्भाव और सीमावर्ती राज्यों की स्थिरता है। पंजाब ने कठिन संघर्ष के बाद शांति हासिल की है।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी।

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए

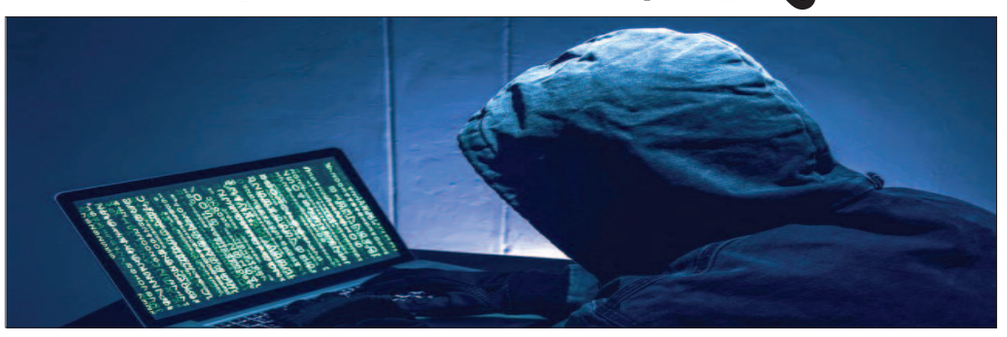

जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

क्या आप भी जल्दी

जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं!

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

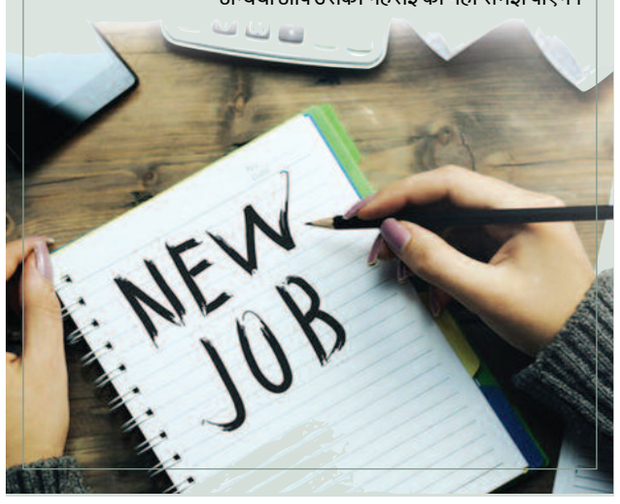

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है -प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

ईपीएफओ अपग्रेड पूरा, लेकिन पासबुक-दावों में देरी; नए यूएएन नियम लागू

खाताधारक पासबुक-दावे को लेकर परेशान, उमंग ऐप से ही बनेगा नया यूएएन

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करीब 10 दिनों तक चले डेटाबेस इंटीग्रेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेड की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हालांकि, अपडेट के बाद भी लाखों सदस्यों को पासबुक देखने, लॉगिन करने और कुछ ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने में अभी भी समस्या आ रही है। संगठन ने स्वीकार किया है कि सभी सेवाओं को पूरी तरह सामान्य होने में लगभग एक से डेढ़ सप्ताह का समय लग सकता है, जबकि दावों के निपटारे में अतिरिक्त सत्यापन प्रक्रियाओं के चलते लगभग दो सप्ताह तक सामान्य से अधिक समय लग सकता है। ईपीएफओ ने सदस्यों से सहयोग की अपील की है और व्यस्त समय में बार-बार अनुरोध भेजने से बचने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है कि सेवाएं सामान्य होने के बाद ईपीएफओ यूपीआई के जरिए पीएफ खाते से निकासी की सुविधा शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही यूएएन से जुड़े नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब नया यूएएन जनरेट या एक्टिवेट केवल उमंग ऐप के माध्यम से ही किया जा सकेगा, जिसके लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य होगा। ईपीएफओ का कहना है कि यह कदम सुरक्षा को मजबूत करेगा और फर्जी गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा। सदस्य अब वेबसाइट से यूएएन जनरेट नहीं कर पाएंगे।

माइक्रोसॉफ्ट में बड़ी छंटनी, 4800 कर्मचारी होंगे बाहर

लाभ मार्जिन में कमी और पुनर्गठन के तहत लिया फैसला

मुंबई ।

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने वैश्विक स्तर पर करीब 4,800 कर्मचारियों की छंटनी घोषणा की है, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 2.1 प्रतिशत है। इस फैसले से कंपनी का वीडियो गेम कारोबार एक्सबॉक्स सबसे ज्यादा प्रभावित होगा, जहां लाभप्रदता में कमी और बढ़ते परिचालन दबाव को मुख्य कारण बताया गया है। कंपनी ने कहा कि एक्सबॉक्स इकाई में करीब 1,600 कर्मचारियों को पहले ही नौकरी से निकाला जा चुका है, जबकि चालू वित्त वर्ष में 1,600 और पदों को समाप्त किया जाएगा। एक्सबॉक्स की एक अधिकारी ने एक आंतरिक संदेश में बताया कि कारोबार की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसके लाभ मार्जिन प्रतिस्पर्धी कंपनियों (जैसे सोनी प्लेस्टेशन और निनटेंडो स्विच) की तुलना में काफी कम हैं। उन्होंने गेमिंग कंसोल के पुर्जों की बढ़ती लागत को भी गेमिंग उद्योग पर दबाव का प्रमुख कारण बताया। कंपनी अब तक अधिग्रहीत चार वीडियो गेम डेवलपमेंट स्टूडियो को भी अलग कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट की अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह छंटनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए की जा रही है और इन नौकरियों की जगह कृत्रिम मेधा (एआई) नहीं ले रही है। कुल 4,800 कर्मचारियों को कारोबार पुनर्गठन और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से हटाया जा रहा है।

कोचिन शिपयार्ड ओएफएस- सरकार बेचेगी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी

सरकार ने 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया

नई दिल्ली ।

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निवेश करने की योजना बना रहे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है। भारत सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को बाजार भाव से लगभग 7 फीसदी कम कीमत पर शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। यह बिक्री 7 और 8 जुलाई को दो चरणों में होगी। सरकार ने इस ह्वस्व के लिए 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है, जबकि सोमवार को कंपनी का शेयर 1,504.75 रुपये पर बंद हुआ था। इस तरह निवेशकों को बाजार भाव से करीब 7 प्रतिशत के आकर्षक डिस्काउंट पर शेयर मिलेंगे। शुरुआती चरण में सरकार अपनी 2.52 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें लगभग 33 लाख शेयर शामिल हैं। यदि निवेशकों की तरफ से अच्छी मांग रहती है, तो सरकार इतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी यानी 2.52 फीसदी और बेच सकती है, जिससे कुल बिक्री 5.04 फीसदी तक पहुंच सकती है। संस्थागत और बड़े निवेशक 7 जुलाई को बोली लगा सकेंगे।

सरकार लाएगी सहकारी जीवन बीमा और भारत टैक्सी जैसा एग्रीगेटर

मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार जल्द ही एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी और 'भारत टैक्सी' की तर्ज पर एक सहकारी यूटिलिटी एग्रीगेटर को बढ़ावा देने में मदद करेगी, जिससे सहकारी क्षेत्र का विस्तार होगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि इफ्को-टोक्यो जनरल इंश्योरेंस की सफलता से प्रेरणा लेते हुए, जो इफ्को और जापान के टोक्यो मरीन ग्रुप का संयुक्त उद्यम है, यह नई जीवन बीमा कंपनी बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की पहुंच बढ़ाएगी। वर्तमान में भारत में लगभग 26 जीवन बीमा कंपनियां कार्यरत हैं। सूत्रों के अनुसार, सहकारी बीमा कंपनी की योजना अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन इसमें मौजूदा सहकारी समितियां ही प्रारंभिक प्रवर्तक हो सकती हैं। बाद में कुछ अन्य भागीदार भी शामिल किए जा सकते हैं। इसका ढांचा बीज, जैविक खेती और निर्यात को बढ़ावा देने वाली तीन नवगठित बहु-राज्य सहकारी समितियों के समान होगा, जिन्हें अमूल और एनडीडीबी जैसी बड़ी सहकारी संस्थाओं ने मिलकर बनाया है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के फाइनैंशियल सर्विसेज रिस्क लीडर विवेक अय्यर ने इस पहल को सहकारिता मंत्रालय के वित्तीय समावेशन के व्यापक उद्देश्य से जोड़ते हुए इसे जीवन बीमा तक सहकारी दृष्टिकोण का विस्तार बताया।

रुपये में मजबूती, डॉलर के मुकाबले 15 पैसे सुधरा

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने के मद्देनजर सऊदी अरब के अगस्त के लिए एशिया को कच्चे तेल के आधिकारिक बिक्री मूल्य में कटौती किए जाने की खबरों से बाजार धारणा बेहतर हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.33 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.86 पर रहा।

सेबी ने खुले बाजार से शेयर बायबैक की व्यवस्था फिर से की शुरू

1 अगस्त से प्रभावी नियम; 66 कार्य दिवस में बायबैक पूरा, पूंजीगत लाभ पर लगेगा कर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनियों को शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में अपने शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) करने की अनुमति को बहाल कर दिया है। यह व्यवस्था 1 अगस्त से प्रभावी होगी, जिसका उद्देश्य कंपनियों के लिए पूंजी आवंटन को सुगम बनाना और शेयरधारकों को अतिरिक्त नकदी लौटाने का एक प्रभावी माध्यम उपलब्ध कराना है। सेबी ने 2025 में असमान व्यवहार और कर संबंधी चिंताओं के कारण इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया था।

अब इसे सुगमता और क्रियान्वयन दक्षता बढ़ाने के लिए फिर से लाया गया है। नई अधिसूचना के तहत, कंपनियां 1 अगस्त से नियमित कारोबार व्यवस्था के माध्यम से बायबैक कर सकेंगी; अलग पुनर्खरीद खिड़की की आवश्यकता नहीं होगी। प्रक्रिया अधिकतम 66 कार्य दिवस में पूरी करनी होगी। यह कदम कंपनियों को अतिरिक्त नकदी लौटाने और बाजार में कमजोरी में शेयर कीमतों को सहारा देने में मदद करेगा। बायबैक कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त भंडार के 15 फीसदी से कम होगा। मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति अब वैकल्पिक है, जिससे लागत कम होगी। कर ढांचे में बदलाव करते हुए, सार्वजनिक शेयरधारकों पर उनके वास्तविक पूंजीगत लाभ के आधार पर कर लगेगा, जिससे पहले की कर संबंधी असमानता समाप्त होगी। प्रवर्तकों के शेयर पुनर्खरीद अवधि के दौरान स्थिर रहेंगे, और कंपनियों को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) नियमों का उल्लंघन नहीं करना होगा।

आयकर रिटर्न में टैक्स क्रेडिट मिसमैच पड़ सकता है भारी

– फॉर्म 26एएस का सावधानी से करें मिलान

नई दिल्ली ।

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए टैक्स क्रेडिट का सही मिलान करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी आयकर विभाग के नोटिस, रिफंड में देरी या अतिरिक्त कर मांग का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परेशानियों से बचने के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले फॉर्म 26एएस और अन्य कर विवरणों का सावधानीपूर्वक मिलान करना बेहद जरूरी है। यदि आपके द्वारा आईटीआर में दर्ज टैक्स भुगतान और आयकर विभाग के रिकॉर्ड में उपलब्ध जानकारी के बीच अंतर पाया जाता है, तो इसे टैक्स क्रेडिट मिसमैच कहा जाता है। इस स्थिति में, विभाग केवल उन्हीं टैक्स क्रेडिट को मान्यता देता है जो उसके आधिकारिक रिकॉर्ड और फॉर्म 26एएस में उपलब्ध होते हैं। यह अंतर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस), एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स या नियमित कर भुगतान से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स क्रेडिट मिसमैच के कई कारण हो सकते हैं। इनमें नियोक्ता या कर काटने वाली संस्था द्वारा गलत टीडीएस विवरण जमा करना, एडवांस या सेल्फ असेसमेंट टैक्स जमा करते समय चालान की जानकारी में त्रुटि, गलत पैन नंबर दर्ज होना, आईटीआर में कर विवरण गलत भरना, या टीडीएस रिटर्न दाखिल करने में देरी शामिल है। फॉर्म 26एएस करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें संबंधित वित्तीय वर्ष के दौरान काटे गए टीडीएस, टीसीएस, एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स, कर रिफंड और अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जानकारी दर्ज रहती है। इसलिए, आईटीआर दाखिल करने से पहले इस दस्तावेज का अपनी जानकारियों से मिलान करना अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी करदाता को अपने रिटर्न में टैक्स

क्रेडिट संबंधी संदेह हो, तो वह आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध टैक्स क्रेडिट मिसमैच सेवा का उपयोग कर सकता है। पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद सर्विसेज अनुभाग में जाकर संबंधित असेसमेंट वर्ष का चयन कर अपनी त्रुटियों की जांच की जा सकती है। यदि गड़बड़ी टीडीएस से संबंधित हो, तो अपने नियोक्ता या संबंधित संस्था से संशोधित टीडीएस रिटर्न दाखिल करने का अनुरोध करें। यदि आईटीआर अभी तक प्रोसेस नहीं हुआ है, तो संशोधित रिटर्न दाखिल किया जा सकता है। वहीं, यदि धारा 143(1) के तहत सूचना जारी हो चुकी है, तो ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से सुधार का अनुरोध किया जा सकता है। समय रहते इन त्रुटियों को ठीक करने से नोटिस, रिफंड में देरी और अतिरिक्त कर देनदारी जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

अब हर कोई पहचान सकेगा असली 100 का नोट

धोखाधड़ी से बचने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई ।

बाजार में खरीदारी के दौरान नकली नोटों का मिलना एक आम समस्या है, जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। इस धोखाधड़ी से बचने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 रुपये के असली नोट की पहचान करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स बताए हैं। इन संकेतों को जानकर कोई भी व्यक्ति आसानी से नोट की प्रामाणिकता जांच सकता है और धोखाधड़ी से बच सकता है।

असली 100 रुपये के नोट की पहचान के 7 प्रमुख संकेत-

1. रोशनी में 100 दिखेगा- नोट को रोशनी के सामने रखने पर सी-थ्रू रजिस्टर में साफ तौर पर '100' का अंक दिखाई देता है।

2. देवनागरी में मूल्य- असली नोट पर अंग्रेजी के साथ-साथ देवनागरी लिपि में भी '100' अंकित होता है।

3. अशोक स्तंभ- नोट पर अशोक स्तंभ का राष्ट्रीय प्रतीक स्पष्ट और बारीक प्रिंटिंग के साथ बना होता है।

4. गवर्नर के हस्ताक्षर व आरबीआई प्रतीक- आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर, गारंटी संबंधी वचन और भारतीय रिजर्व बैंक का आधिकारिक प्रतीक स्पष्ट रूप से छपा होता है।

5. नीचे दाईं ओर सीरियल नंबर- नोट के निचले दाईं ओर सीरियल नंबर स्पष्ट, समान दूरी और सही फॉन्ट में छपा होता है।

6. ऊपर बाईं ओर भी नंबर- ऊपरी बाईं हिस्से में भी सीरियल नंबर मौजूद रहता है, जिसकी गुणवत्ता नीचे वाले नंबर जैसी ही होती है।

7. महात्मा गांधी का चित्र- नोट के सामने वाले हिस्से के बीच में महात्मा गांधी का साफ और उच्च गुणवत्ता वाला चित्र होता है।

इन फीचर्स को ध्यान में रखकर आप नकली नोटों की पहचान कर सकते हैं और आर्थिक नुकसान से बच सकते हैं।

बॉन्ड में विदेशी निवेशकों का बढ़ा भरोसा

शेयर बाजार से निकाल रहे हैं विदेशी निवेशक पैसा

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुख भारतीय बाजार में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है। एक ओर विदेशी निवेशकों ने जून के दौरान भारतीय सरकारी बॉन्ड में रिकॉर्ड 41,773 करोड़ रुपये का निवेश किया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने शेयर बाजार से 49,340 करोड़ रुपये की निकासी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के कारण विदेशी निवेशक फिलहाल सतर्क रणनीति अपना रहे हैं।विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय सरकारी बॉन्ड का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा पूंजीगत लाभ और ब्याज आय पर कर संबंधी राहत, निवेश नियमों में ढील तथा भारतीय सरकारी बॉन्ड के प्रमुख वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल होने से विदेशी निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इससे आने वाले समय में वैश्विक पैसिव फंडों से भी भारत में बड़े निवेश की संभावना जताई जा रही है।हालांकि, शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके बावजूद विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद और बॉन्ड बाजार में बढ़ती भागीदारी देश के वित्तीय बाजारों के लिए सकारात्मक संकेत है।

अमारा पार्टनर्स ने करमतारा में किया 75 करोड़ का प्री-आईपीओ निवेश

नई दिल्ली ।

निजी इक्विटी कंपनी अमारा पार्टनर्स ने बिजली पारेषण क्षेत्र की करमतारा इंजीनियरिंग में उसके प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले लगभग 75 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को इस निवेश की जानकारी दी। यह निवेश करमतारा इंजीनियरिंग के आईपीओ के लिए मार्ग प्रशस्त करने और उसकी विकास योजनाओं को गति देने में मदद करेगा। करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू और विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात प्रोफाइल और फास्टनर सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है। कंपनी ने बताया कि छह जुलाई को अमारा पार्टनर्स ग्रोथ फंड-1 को 310 रुपये प्रति शेयर के

निर्गम मूल्य पर 24,19,355 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयर (सीसीपीएस) आवंटित किए गए हैं, जिससे 75 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। इस आईपीओ-पूर्व निवेश के बाद, सेबी के नियमों के अनुरूप प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने का आकार समान राशि से घटा दिया जाएगा।

सिटीमॉल की नई रणनीति कीमत से जीतेगी ई-कॉमर्स की अगली जंग

गुरुग्राम की स्टार्टअप छोटे शहरों के निम्न-मध्यम वर्ग पर केंद्रित

नई दिल्ली ।

गुरुग्राम की किराना क्षेत्र की स्टार्टअप सिटीमॉल इस बात पर दांव लगा रही है कि भारत में ई-कॉमर्स की अगली लहर कीमत से जीती जाएगी, न कि गति से। यह ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी त्वरित-कॉमर्स रणनीतियों को सीधी चुनौती है। कंपनी ने छोटे शहरों में निम्न-मध्य वर्ग के परिवारों के लिए कम लागत वाला, समुदाय-संचालित डिलिवरी नेटवर्क बनाया है, जिसे सीईओ अंगद किकला अगले 20 करोड़ परिवार कहते हैं। किकला का तर्क है कि बड़े ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं ने इन परिवारों को अनदेखा किया है। उनकी रणनीति तेज डिलिवरी के बजाय कीमत को प्राथमिकता देने वाले खरीदारों को जोड़ना है, जो 2030 तक भारत के ई-कॉमर्स बाजार को 60 अरब डॉलर से 250-300 अरब डॉलर तक ले जा सकता है। 2019 में अंगद किकला, नयशील वर्धन और राहुल गिल द्वारा स्थापित सिटीमॉल ने ऐक्सेल जैसे निवेशकों से 16.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए हैं। कंपनी अब 60 से ज्यादा शहरों (यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, एनसीआर) में किराना, एफएमसीजी और घरेलू सामान बेचती है। मौजूदा वित्त वर्ष में 1,000 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा पार कर चुकी सिटीमॉल अगले वित्त वर्ष में 1,600 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य लेकर चल रही है। किकला को उम्मीद है कि अगले कई सालों तक सालाना 50 से 60 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि बनी रहेगी, क्योंकि वे सबसे बड़े ग्राहक वर्ग, यानी निम्न-मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

भारत का ऑफिस बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर, दूसरी तिमाही में 2.46 करोड़ वर्गफुट की लीजिंग

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद दूसरी तिमाही में 18 फीसदी की वृद्धि

मुंबई ।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही भारतीय ऑफिस बाजार के लिए ऐतिहासिक रही, जिसने अब तक का सबसे जोरदार प्रदर्शन दर्ज किया। एक रियल एस्टेट सेवा कंपनी के अनुसार, इस अवधि में कुल लीजिंग लगभग 2.46 करोड़ वर्ग फुट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, तिमाही के दौरान लीजिंग में पिछली तिमाही के मुकाबले 18 प्रतिशत और पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आपूर्ति भी 91 प्रतिशत बढ़कर तेजी से बढ़ी। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने मांग में 42 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 1.03 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग दर्ज की, जबकि फ्लेक्सिबल स्पेस परिचालकों की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत रही।

सीबीआरई के एक अे धिकारी के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का परिदृश्य अच्छा है। हालांकि, रेडी-टू-मूव जगह की कमी बड़ी चुनौती है, जिससे निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए प्री-कमिटमेंट बढ़ रहे हैं। साल 2026 की पहली छमाही में कुल 4.55 करोड़ वर्ग फुट की रिकॉर्ड लीजिंग हुई, जो किसी भी छमाही में सर्वाधिक है। इस दौरान आपूर्ति भी 3.2 करोड़ वर्ग फुट रही। फ्लेक्स, प्रौद्योगिकी और बैंकिंग, वित्तीय सेवा व बीमा (बीएफएसआई) कंपनियों ने मिलकर दूसरी तिमाही की लीजिंग में लगभग 62 प्रतिशत हिस्सेदारी निभाई। पहली छमाही में जीसीसी की कुल मांग में हिस्सेदारी 43 प्रतिशत रही।

भारत के दो एयरपोर्ट बने दुनिया के सबसे खूबसूरत, ग्लोबल सूची में मिली जगह

पेरिस।

पेरिस से जारी प्रिक्स वर्साय अवार्ड्स ने साल 2026 के लिए दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट की सूची जारी की है। यह भारतीय एविएशन सेक्टर के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इस प्रतिष्ठित सूची में देश के दो एयरपोर्ट को स्थान मिला है। बीते महीने जून में घोषित किए, इन अवार्ड्स में दुनिया भर के कुल 7 एयरपोर्ट को शामिल किया है, जिन्हें उनके आधुनिक डिजाइन, स्थिरता, क्षेत्रीय पहचान और यात्रियों को प्रदान होने वाली बेहतरीन अनुभव के आधार पर चुना गया है।

1.चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट

इस सूची में शीर्ष स्थान पर चीन का ग्वांगझू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 रहा। ग्वांगझू, जिसे चीन का फूलों का शहर कहा जाता है, उसके नए टर्मिनल को बादल, पानी और फूलों से प्रेरित घुमावदार आकृतियों, छतों, बगीचों और रोशनी से भरे खुले हिस्सों के साथ बनाया गया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी परिवहन इमारतों में से एक है और इसकी खास बात चीन का सबसे ऊंचा खुला सार्वजनिक अवलोकन डेक है।

2. जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल 3 अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा। इस टर्मिनल को सड़कों, प्लाजा और आस-पड़ोस के चौराहों की तरह डिजाइन किया गया है, जिसका ज्यादातर हिस्सा मॉड्यूलर है।

3. गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2

भारत के लिए गौरव की बात यह है कि असम की राजधानी गुवाहाटी में स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 ने दुनिया के तीसरे सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट के रूप में पहचान बनाई है।

उप्र में जन्मे विनायक शुक्ला बने ओमान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान

मस्कट। ओमान क्रिकेट ने भारतीय मूल के विकेटकीपर-बल्लेबाज विनायक शुक्ला को पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया है। टीम के उप-कप्तान रहे शुक्ला ने जतिंदर सिंह की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत में हुए आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ओमान की कमान संभाली थी। ओमान क्रिकेट ने विनायक शुक्ला को कप्तान इसलिए चुना है, क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम भूमिका निभाई है। ओमान क्रिकेट ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नए कप्तान की घोषणा करते हुए कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। ओमान क्रिकेट गर्व के साथ विनायक शुक्ला को ओमान पुरुष क्रिकेट टीम का कप्तान घोषित करता है।' पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम योगदान देने के बाद, 32 वर्षीय विनायक अब राष्ट्रीय टीम को अगले अध्याय में ले जाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

18 जून 1994 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मे विनायक शुक्ला अपने कोच की सलाह पर बेहतर अवसरों की तलाश में साल 2021 में ओमान चले गए थे। इसके बाद उन्होंने अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए 'नेशनल मेटल कैंस' में डेटा ऑपरेटर की नौकरी की। इसके साथ ही क्रिकेट खेलना भी जारी रखा।
विनायक ने 14 दिसंबर 2024 को टी20 मैच के साथ ओमान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। इसके बाद 10 फरवरी 2025 को एशिया कप में नामीबिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया। विनायक शुक्ला ओमान के पसंदीदा विकेटकीपर बने, उन्होंने खास तौर पर टी20 क्रिकेट में मिडिल ऑर्डर से तेजी से रन बनाकर प्रभावित किया है। विनायक शुक्ला ने अपने करियर में 15 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 26 की औसत के साथ 312 रन बनाए। वहीं, 23 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 2 अर्धशतकों के साथ 447 रन निकले। विनायक 15 लिस्ट-ए मुकाबलों में 312 रन जोड़ चुके हैं।

विंबलडन

जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

लंदन। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है। इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे

खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी।

टी20 सीरीज: जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

वैभव-रिंकू को मौका

● सैमसन बाहर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे। वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे। मैच फिनिशर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है। संजू सैमसन इस सीरीज से बाहर हैं।

दोनों देशों के बीच 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्थित हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टी20 सीरीज के तीनों मैच खेले जाने हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बदलाव

रेड्डी की जगह दुबे टीम में शामिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से पहले चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शिवम दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दुबे इंग्लैंड में जारी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि दुबे वनडे सीरीज के लिए भी वहीं रुकेंगे, क्योंकि रेड्डी अभी भी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं।

रेड्डी के रिहैबिलिटेशन के कारण उन्हें पहले ही आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और जिम्बाब्वे के विरुद्ध आगामी तीन मुकाबलों की सीरीज से बाहर कर दिया गया था। देवजीत सैकिया ने कहा, 'सिलेक्शन कमिटी ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को चुना है।

भारत की अपडेटेड वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, शिवम दुबे।

यूथ हॉकी : 5-एस एशियन चैंपियनशिप से पहले सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने यूथ हॉकी 5-एस एशियन चैंपियनशिप 2026 की तैयारी के लिए सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप में हिस्सा लेने जा रहे 15 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर दिया है। यह प्रतियोगिता ओमान की राजधानी मस्कट में 20 से 25 जुलाई के बीच आयोजित होगी, जिससे पहले नेशनल कैंप 7 से 18 जुलाई तक चंडीगढ़ के सेक्टर 14 स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। देश के होनहार युवा खिलाड़ी कोच और भारत के पूर्व कप्तान सरदार सिंह की देखरेख में ट्रेनिंग करेंगे। इस ग्रुप के सभी 15 खिलाड़ी उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसने हाल ही में संपन्न अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था।

दो सप्ताह के इस कैंप का मकसद खिलाड़ियों को हॉकी 5-एस की रणनीतिक और तकनीकी जरूरतों से परिचित कराना और साथ ही व्यवस्थित ट्रेनिंग सेशन के जरिए उनके खेल को बेहतर बनाना है।

पहला वनडे: 'लो स्कोरिंग' मैच में जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 25 रन से हराया

सीरीज में 1-0 से लीड

हरारे। जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में 25 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। सोमवार को हरारे में खेले गए मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम महज 36.4 ओवरों में 141 रन पर सिमट गई। इस टीम को 36 के स्कोर पर बेन करन (18) के रूप में पहला झटका लगा। इसी स्कोर पर ब्रायन बेनेट (17) भी चलते बने। 7 ओवरों में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवाने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम ने 70 के स्कोर तक अपने 8 विकेट खो दिए थे। यहां से रिचर्ड नगारवा ने न्यूमैन न्याम्हुरी के साथ 9वें विकेट के लिए 81 गेंदों में 63 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचा

दिया। न्यूमैन न्याम्हुरी ने 5 चौकों के साथ 33 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान रिचर्ड नगारवा ने 27 रन जुटाए। इनके अलावा, इनोसेंट काइया ने 26 रन का योगदान दिया।

बांग्लादेश की तरफ से नाहिद राणा ने 10 ओवरों में 21 रन देकर 6 विकेट निकाले। इनके अलावा, तस्कीन अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। एक विकेट मेहदी हसन के हाथ लगा। इसके जवाब में बांग्लादेशी टीम 33.1 ओवरों में 116 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 17 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से तौहीद हिरदॉय ने नुरुल हसन के साथ चौथे विकेट के लिए 88 गेंदों में 49 रन की साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद टीम बिखर गई।

फीफा वर्ल्ड कप: इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए।

इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा।

● रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया

हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026: एकता और लड़ने का जज्बा मेक्सिको की सफलता का कारण, स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का बयान

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में सोमवार को मेक्सिको का मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होना है। इस मैच के लिए मेक्सिको पूरी तरह तैयार है। मेक्सिको का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम के स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का मानना ??है कि विश्व कप में उनकी टीम के जोरदार प्रदर्शन की वजह एकता और लड़ने का जज्बा है। जिमेनेज ने फीफा से बातचीत के दौरान कहा, 'हम पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर केंद्रीत एकजुट हैं। एकजुटता और एक पारिवारिक भावना हमें बड़ी चीजों के लिए प्रेरित रही है। हमें मेक्सिको में अभी एक और मैच खेलना है। हम पूरी तरह से जानते हैं कि क्या दांव पर लगा है।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। हमारी टीम सच में बहुत मजबूत है। जेवियर एगुइरे के चार्ज संभालने के बाद से हम सब एक साथ हैं। आसमान ही हमारे लिए सीमा है।'

यूथ वनडे: श्रीलंका के खिलाफ 'द्रविड़' ने जड़े 87 रन

हम्बनटोटा। भारत के महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत अंडर-19 टीम की तरफ से खेलते हुए सोमवार को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे मैच में 87 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 67 गेंदों की इस पारी में 1 छक्का और 9 चौके लगाए, लेकिन टीम मैच गंवा बैठी। सोमवार को महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अन्वय द्रविड़ की इस शानदार पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 285 रनों का विशाल स्कोर बनाया, लेकिन श्रीलंका ने इस मैच को 8 विकेट शेष रहते अपने नाम कर लिया। भारतीय

● विशाल स्कोर के बावजूद भारत की हार

टीम ने पहला मैच 4 विकेट से जीता था, लेकिन अब तीन मुकाबलों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई है। सीरीज का अंतिम मैच 9 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाना है। इसके बाद 13 जुलाई से दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हम्बनटोटा में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 47.2 ओवरों में 285 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम ने 11 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने वीके विनीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 गेंदों में 67 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। विनीत 45 गेंदों में 4 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अन्वय द्रविड़ बल्लेबाजी के लिए उतरे और अर्जुन राजपूत के साथ पांचवें विकेट के लिए 126 गेंदों में 144 रन जुटाए। अर्जुन 81 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अन्वय ने 87 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। श्रीलंकाई खेमे से गिमहान मेंडिस ने 8.2 ओवरों में 41 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि कविजा गमागे ने 2 विकेट निकाले। एक विकेट सेथमिका सेनेविरात्ने के हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 48 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को 25 के स्कोर पर दुलनिथ सिगेरा (14) के रूप में शुरुआती झटका लग गया था। इसके बाद दिमंथा महाविथाना ने सेनुजा वेकुनागोडा के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी करते हुए जीत की नींव रख दी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 3941

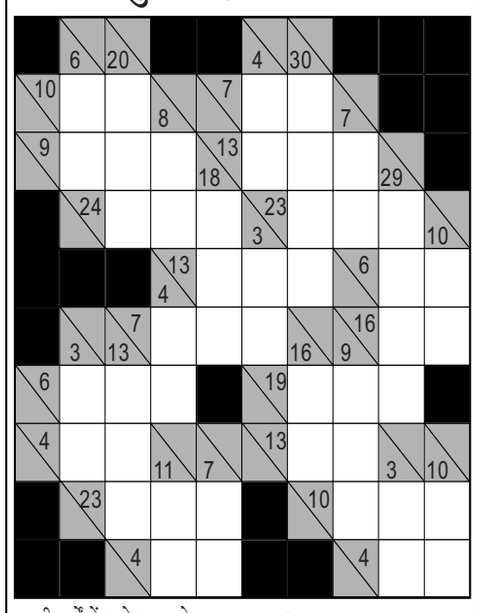

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

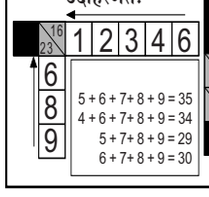

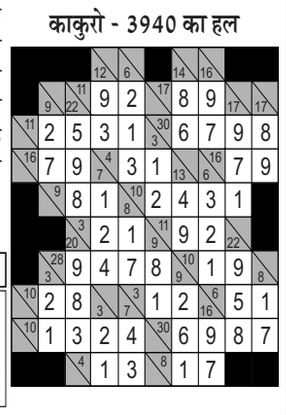

उदाहरणत:

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3940 का हल

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज, ''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

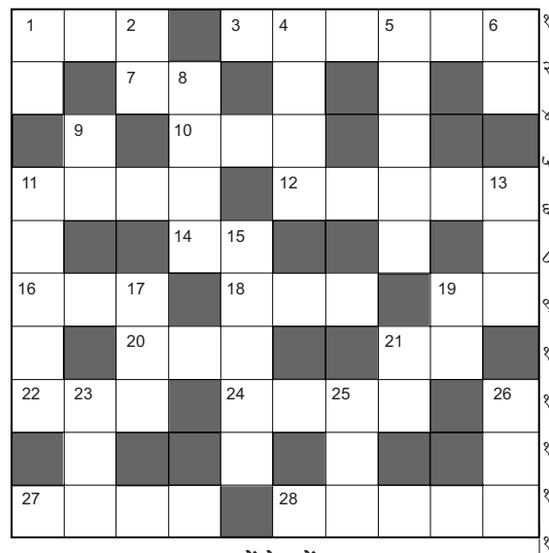

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3941

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3940

सूडोकु -3941

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3940 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 3941

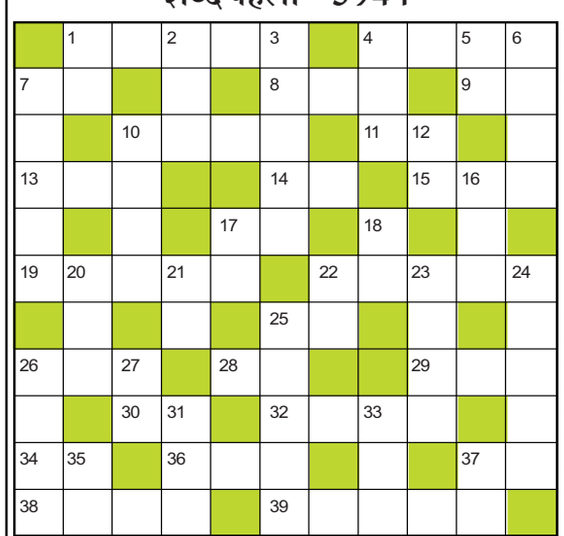

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -3940 का हल

सही व्यायाम से घटेगा वजन

वर्कआउट करने का सही समय और फायदे

स्वस्थ व चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए जितना जरूरी सही खानपान है, उतना ही जरूरी व्यायाम भी है, जिससे हमारा वजन भी नियंत्रित रहता है। स्वस्थ जीवन और खुशहाल जिंदगी की कुंजी है व्यायाम। इस कारण हमारी दिनचर्या में व्यायाम को महत्वपूर्ण स्थान देना जरूरी हो जाता है।

जीवित रहने के लिए जिस प्रकार वायु, जल और भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। इसकी कमी से या इसको नियमित रूप से न करने से मनुष्य का जीवन दुर्बल और अनेक रोगों का घर बन जाता है। प्रतिदिन नियम के तहत व्यायाम करने से शरीर हल्का तथा फुर्तीला बना रहता है। व्यायाम हमेशा उतनी ही मात्रा में किया जाना चाहिए कि शरीर में थोड़ी थकावट तो महसूस हो, लेकिन आप थककर चूर न हो जाएं। जैसे-जैसे शक्ति का संचार बड़े, वैसे-वैसे व्यायाम का समय बढ़ाया जा सकता है।

शरीर की शक्ति से बढ़कर व्यायाम करना हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे, व्यायाम शरीर को गठीला बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है। विभिन्न लोगों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम हैं। कुछ शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए होते हैं और कुछ निरोगी रखने में सहायक होते हैं। ऐसे ही कुछ व्यायामों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, जिनसे बढ़ती उम्र को 10 साल तक कम किया जा सकता है।

खेलकूद में मन लगाएं

सामूहिक खेलकूद केवल कसरत करने से कहीं ज्यादा उपयोगी होते है। खेलों में मजा तो आता ही है, साथ ही शारीरिक कसरत भी हो जाती है, लेकिन सभी खेल एक जैसे उपयोगी नहीं होते। यह खेल की गति, उसमें लगने वाली ताकत, मासपेशियों के तालमेल, दबाव सहने की क्षमता आदि भी खेल की उपयोगिता पर निर्भर करती है।

जितना हो सके उतना चलें

चलना सभी उम्र के लोगों के लिए (खासतौर पर दिल की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए) काफी उपयोगी होता है। शारीरिक फायदों के अलावा चलने से स्फूर्ति और आराम मिलता है। मध्यम गति से एक किलोमीटर चलने पर करीब 50 कैलरी ऊर्जा खर्च होती है। इसलिए जितना हो सके, चलना चाहिए।

योग को जीवन में ढालें

योग में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के अनुशासन की जरूरत होती है। योग एक कमाल का व्यायाम होता है, जिसमें मूलतः तीन चीज की जाती हैं- आसन, मुद्राएं, बंध। नियमित योग हृदय रोग, रक्तवाहिका रोग, डायबिटीज और मोटापा जैसे रोगों की रोकथाम करता है।

योग की सीमाओं को समझें

किसी भी आसन को तीन से पांच बार और योग को एक से दो बार किया जा सकता है। अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रिरका जैसे प्राणायाम में सांस को अधिक देर तक न रोकें, वर्ना चक्कर आने एवं उल्टी आ सकती है। शीर्षासन को अधिक देर करने से चक्कर आ सकते हैं और ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। इसलिए सभी अभ्यास विशेषज्ञ की देखरेख में ही सीखें या करें।

नियमों को न करें नजरअंदाज

शुरुआत के लिए : शुरुआती दिनों में बहुत अधिक व्यायाम करने से बचें। ट्रेनर के अनुसार ही व्यायाम करें। सप्ताह में जितना व्यायाम कहा जाए, उससे ज्यादा करना शरीर को तकलीफ दे सकता है।

वार्मअप जरूर करें : व्यायाम शुरू करने के पहले वार्मअप जरूर करें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से तैयार हो सके। अगर आप वार्मअप की अनदेखी करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए हानिकरक हो सकता है।

उम्र के अनुसार : व्यायाम का चुनाव अपनी उम्र के अनुसार करें और शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। अगर आपको सेहत संबंधी कोई समस्या है, तो इसका विशेष ध्यान रखें।

खानपान का ध्यान : व्यायाम के साथ-साथ डाइट का भी विशेष ध्यान रखें और तेजी से पचने वाले भोजन का सेवन करें। ये शरीर में मांसपेशियों के निर्माण में सहायता करते हैं।

प्रभावी नहीं होते ये व्यायाम

- एरोबिक्स व्यायाम से शरीर लचीला और मजबूत तो बनता है, लेकिन यह चर्बी कम करने में उतना सक्षम नहीं है।
- स्पॉट ट्रेनिंग से वजन घटाना आसान नहीं होता। बेहतर होगा कि कार्डियो व्यायाम के साथ इनको मिलाएं।
- सिट-अप्स, क्रंच व एब्स एक्सरसाइज करने से पेट की चर्बी नहीं घटती। वजन घटाने के लिए प्रभावी व्यायाम का चुनाव करना जरूरी है।
- जब तक आप वेट ट्रेनिंग के साथ कार्डियों को नहीं मिलाते हैं, वजन घटाने में कोई इसका योगदान नहीं हो पाता है और आप व्यर्थ में ही पसीना बहा रहे होते हैं।
- सीधे पैर कर सिट-अप्स लगाना व्यर्थ है। इससे कोई फायदा नहीं होता। इस तरह से सिट-अप्स लगाने से कमर में चोट लगने की आशंका अधिक हो जाती है।
- अगर आप पूरे सेट लगाकर पुल-डाउन कर रहे हैं, तो ध्यान रहे कि आप रॉड को आगे की ओर रखते हुए ही इसे करें। पीछे से पुल डाउन करने पर आपकी गर्दन एवं कंधों में चोट आ सकती है।

खेल भी अच्छा व्यायाम

खेल शिक्षिका नंदिनी रावत के मुताबिक, स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम का बढ़ा महत्व है। व्यायाम से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। व्यायाम से शारीरिक अंगों का विकास होता है और दृढ़ता आती है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

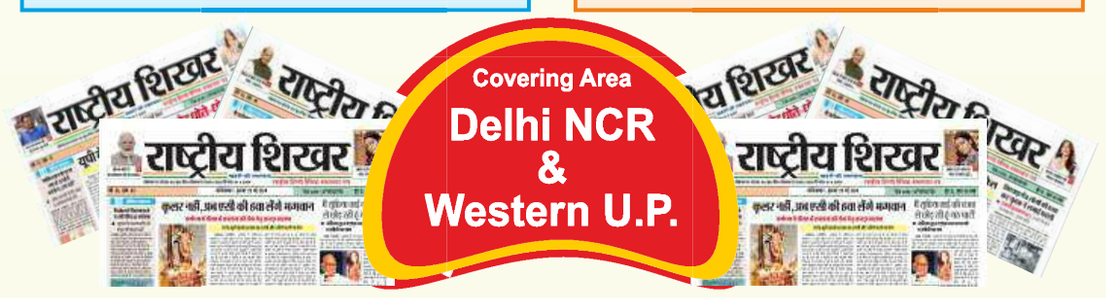

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

किसी दूसरे एक्टर से कभी नहीं हुआ इनसिक्योर

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 26 साल पूरे किए हैं। उनकी पहली फिल्म 'रिफ्यूजी' 2000 में रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से करीना कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हाल ही में एक बातचीत में अभिषेक ने अपने सफर को याद किया और बताया कि कैसे इतने साल में एक एक्टर के तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

अब कैमरे के सामने मैं कम्फर्टेबल हूं

अभिषेक ने एक एक्टर के तौर पर खुद में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बस एक ही बदलाव आया है कि अब मैं ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो थोड़ी असहजता थी। लेकिन अब कैमरे के सामने मैं ज्यादा कम्फर्टेबल रहता हूं। जब आप जैसे हैं वैसे ही रहते हैं और खुद में सहज महसूस करते हैं, तो आपको उन फैसलों के बारे में स्पष्टता मिलती है जो आपको लेने होते हैं। आज मैं बहुत स्पष्ट हूं या यूं कहूं कि पिछले पांच से सात साल से कि किसी खास समय पर मुझे क्या नहीं करना है। करियर की शुरुआत में बहुत उत्साह होता है और काम मिलेगा या नहीं, इसे लेकर असुरक्षा भी होती है। इसलिए जो भी काम मिलता है, आप उसे कर लेते हैं।

अभिषेक ने उन इनसिक्योरिटीज के बारे में भी बात की जिनका सामना अक्सर एक्टर्स को करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने साथियों की सफलता को लेकर कभी असुरक्षा महसूस क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं क्लियर होता हूं कि मुझे यह नहीं करना है। इसका मतलब है कि मैं निश्चित रूप से यह करना चाहता हूं। इसलिए इसमें बहुत ज्यादा पक्का इरादा होता है और यह एक तरह की परिपक्वता और शांति से आता है। मुझे लगता है कि इससे आपके काम में भी मदद मिलती है। अब हम हर जगह नहीं भटकते। मैं कभी भी इस बात को लेकर इनसिक्योर एक्टर नहीं रहा कि 'वह क्या कर रहा है'। अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्योर, हां। मुझे लगता है कि सभी एक्टर इस बात को लेकर इनसिक्योर होते हैं कि 'क्या मैं यह कर पाऊंगा?'

इन दिनों अभिषेक शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में अभिषेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख और अभिषेक के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अक्षय ओबेरॉय और रानी मुखर्जी सरीखे कई नाम शामिल हैं।

आकांक्षा रंजन का अनप्रिडिक्टेबल खेल जारी

'इक्का' में करेंगी सरप्राइज

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है।

हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर — डॉ. गर्गी — का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज़-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नज़र आएंगी — जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।

'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज़्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विज़न में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज़ मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया। अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं — इस बार कहानी ज्यादा डार्क और लेयर्ड है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नज़र आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं — जिनका खुलासा अभी बाकी है।

मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।

'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'

अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं। अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को रिलीज होगी

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। केवीएन प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया। प्रोडक्शन हाउस द्वारा शेयर किए गए पोस्टर पर लिखा था, '11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में। 60 ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन लेकर आ रहे हैं 'हैवान'।' 'हैवान' एक दमदार थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। फिल्म में श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी।

केवीएन प्रोडक्शन और थेस्पियन फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म 'हैवान' को वेंकट के. नारायण और शैलजा देसाई फेन ने प्रोड्यूस किया है। इस बीच, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के लिए फिर से साथ काम किया है। इस फिल्म में परेश रावल, जिशु सेनगुप्ता, राजपाल यादव, तब्बू, वामिका गब्बी और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 2007 में रिलीज हुई 'भूल भुलैया' के बाद प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी और मनोज जोशी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म 2026 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन चुकी है।

अक्षय कुमार की हालिया फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टार कास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, तुषार कपूर और सयाजी शिंदे जैसे नाम शामिल हैं।

अगली फिल्म के लिए कई लुक अपनाएंगे सलमान

सलमान खान अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। फिल्म में सलमान खान एक बार फिर एक्शन अवतार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का फैंस को काफी इंतजार है। एक पॉडकास्ट के दौरान फिल्म के निर्माता दिल राजू ने फिल्म को लेकर काफी कुछ बताया। हाल ही में दिल राजू एक पॉडकास्ट पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे वामसी पेडिपल्ली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म पर बहुत भरोसा है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा।' इसके अलावा दिल राजू ने बताय कि यह सलमान खान की अब तक की सबसे बड़ी एंटरटेनिंग फिल्म होगी। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और काफी कुछ होगा। पॉडकास्ट के दौरान दिल राजू ने यह भी बताया कि इस फिल्म में सलमान कई अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। वहीं फिल्म के शूटिंग शेड्यूल की जानकारी देते हुए निर्माता दिल राजू ने कहा, 'यह फिल्म अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। हमें इसके ब्लॉकबस्टर होने की पूरी उम्मीद है। सलमान भी इसकी शूटिंग के मजे ले रहे हैं। फिल्म में भरपूर हीरोइज्म और 'वाउ फैक्टर' होगा।

ईद पर रिलीज हो सकती है फिल्म

फिल्म श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स बैनर तले बन रही है। वहीं फिल्म का निर्देशन वामसी पेडिपल्ली ने किया है। कुछ दिनों पहले ही सलमान और नयनतारा को मेकर्स के साथ मुहूर्त सेरेमनी में देखा गया था। इन दिनों वो इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी मेकर्स ने नहीं दी। अब दिल राजू की मानें तो इसकी शूटिंग अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। अब मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं।

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

शेखर सुमन इस वक्त अपने शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो गर्दा उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, 'हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे है? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहा उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोंगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।'

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और 'मूवर्स ऐंड शेखर्स' के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर वह बताते हैं, 'हर चीज का एक वक्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक 'साहिर अमृता' के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थीं तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।'

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' यह शो से परे है

'मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूं। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूं। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आज़ादी के साथ बोल सकें।'

वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, 'मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूं क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म 'हार्टलेस' डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकौल शेखर, 'एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।'

अध्ययन 19 की उम्र में मैच्योर नहीं था

'वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में प्रलय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।'

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग के विषयों पर चर्चा की

दोहा , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी से मुलाकात की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और सुरक्षा समेत आपसी सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की. जयशंकर पांच से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के दौरे पर हैं. खाड़ी देशों का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच टकराव खत्म करने के समझौते के बाद पश्चिम एशिया में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं. जयशंकर ने कतर में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कतर के प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं, खासकर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों की समीक्षा की. साथ ही, अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर भी चर्चा की.' जयशंकर ने प्रधानमंत्री अल-थानी के साथ पश्चिम एशिया के संघर्ष और उसके असर के बारे में भी चर्चा की; अल-थानी कतर के विदेश मंत्री भी हैं. अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान, जयशंकर खाड़ी क्षेत्र के चार देशों के अपने समकक्षों और शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे. हफ़्तों तक बढ़ते तनाव के बाद ईरान में युद्धविराम कराने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ कतर और ओमान भी मध्यस्थ के तौर पर सामने आए. शुक्रवार से शुरू हुए ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के हफ़्ते भर चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बाद, दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी रहेगी. खाड़ी के चार देशों का दौरा करने के बाद, जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे. इसके बाद, वे 14-15 जुलाई को ब्रसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल होंगे और ईयू तथा बेल्जियम के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ लंदन में फूटा कश्मीरियों का गुस्सा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कें सोमवार को पाकिस्तान विरोधी नारों से गूंज उठीं। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले हजारों कश्मीरियों ने 'लंदन कश्मीर मिलियन मार्च' के जरिए पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और दमनकारी नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह विशाल मार्च पार्लियामेंट स्क्वायर से शुरू होकर लंदन स्थित पाकिस्तानी हाई कमीशन तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने न केवल आजादी के समर्थन में नारे लगाए, बल्कि क्षेत्र में जारी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और स्थानीय जनता पर हो रहे सैन्य अत्याचारों को लेकर पाकिस्तानी हुकूमत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की। जम्मू-कश्मीर नेशनल इंडिपेंडेंस अलायंस के चेयरमैन महमूद कश्मीरी ने इस मार्च का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। पाकिस्तानी हाई कमीशन के बाहर जमा हजारों लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में कश्मीरी पाकिस्तानी फोर्सेज के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। हम जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ अपना आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक हक नहीं मिल जाता। हम किसी भी स्थिति में पाकिस्तान की हुकूमत के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। प्रदर्शनकारियों ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य कश्मीरी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद पर आरोप लग रहे हैं कि वह पीओजेके में सरकार विरोधी जनआंदोलन को दबाने के लिए लगातार अमानवीय और सख्त कदम उठा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इन गिरफ्तारियों को कश्मीरियों की लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की कोशिश करार दिया। लंदन में हुए इस 'मिलियन मार्च' ने यह साफ कर दिया है कि पीओजेके का मुद्दा अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

ईंधन खजाने पर बैठे रूस में तेल-गैस की किल्लत! 18-18 घंटे लगानी पड़ रही लाइन

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन पिछले पांच साल से एक-दूसरे से जंग लड़ रहे हैं। इसी बीच इस युद्ध से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस बड़ी संख्या में तेल खरीद रहा है। ऐसे में लोग ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश आज खुद तेल आयात क्यों कर रहा है? रिपोर्ट के मुताबिक, रूस इस समय तेल की कमी से जूझ रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई इलाकों में लोगों को सीमित मात्रा में ही ईंधन मिल रहा है। ऐसे में सवाल आता है कि जो रूस कल तक पूरी दुनिया को तेल बेचता था उसके साथ ऐसा क्या हो गया कि वो आज तेल खरीदने को मजबूर हो गया है? इसमें अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका है?

यूक्रेन ने तबाह की रिफाइनरी : रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस में उत्पन्न हुई ईंधन संकट के पीछे सबसे बड़ा हाथ यूक्रेन की ओर से लगातार हो रहे ड्रोन हमलों का है। जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन मार्च 2026 से अब तक लगातार ड्रोन हमलों के जरिए रूस की तेल रिफाइनरियों और तेल भंडारण केंद्रों को निशाना बना रही है। यूक्रेन हमलों में रूस की आधी से ज्यादा रिफाइनरियां या तो बंद हो गई हैं या फिर उनके उत्पादन क्षमता में गिरावट आई है। इससे रूस को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,

रूस की 10 सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से 8 पर हमले हो चुके हैं। हाल ही में 4 जुलाई को यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित एक बड़ी रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.25 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पाद तैयार करती है। लगातार हमलों की वजह से रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता में लगभग 42.7 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका : रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस की इस स्थिति में अमेरिका-ईरान युद्ध की भी भूमिका है। दरअसल अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध के दौरान ईरान ने सिर्फ इनके सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि मिडिल ईस्ट के देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों पर भी हमले किए। इसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में तेल संकट पैदा हो गया। इसके अलावा मिडिल ईस्ट के देशों की आय का बड़ा हिस्सा तेल बेचने से ही आता है, जो अमेरिका के सहयोगी भी हैं। ऐसे में इन देशों ने न केवल अमेरिका पर युद्ध रोकने का दबाव बनाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ समजौता करने पर लगभग मजबूर कर दिया।

यूक्रेन भी ईरान की इसी रणनीति को अब रूस के खिलाफ अपना रहा है। क्योंकि यूक्रेन को पता है कि आमने-सामने की लड़ाई में रूस को हरा पाना नामुमकिन है। साथ ही रूस को तब तक समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जब तक वो आर्थिक रूप से मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन ईरान की तरह रूस के तेल रिफाइनरियों पर हमला कर रहा है। ताकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सके। कई लोगों के मन में सवाल है कि रूस जैसी सैन्य महाशक्ति यूक्रेन के ड्रोन हमलों को रोकने में सफल क्यों नहीं हो रही है। इसके पीछे कई कारण हैं।

यूक्रेन के सस्ते और आधुनिक ड्रोन: यूक्रेन के कई ड्रोन अपेक्षाकृत कम लागत वाले हैं और जमीन से बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। इसी वजह से रूस की महंगी एयर डिफेंस प्रणाली, जैसे स-400, उन्हें समय पर पहचान नहीं पाती। रूस का विशाल भूभाग है: दुनिया का सबसे बड़ा देश होने के कारण उसकी हर रिफाइनरी, तेल डिपो और ऊर्जा केंद्र की सुरक्षा करना आसान नहीं है। हर जगह एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना संभव नहीं हो पाता।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंध: इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को कई जरूरी विदेशी मशीनें और उपकरण नहीं मिल पा रहे हैं, जिनकी जरूरत रिफाइनरियों की मरम्मत के लिए होती है। इसलिए क्षतिग्रस्त संयंत्रों को जल्दी ठीक करना मुश्किल हो रहा है।रिफाइनरियों को नुकसान पहुंचने का असर अब रूस की जनता पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

देश के 83 में से 55 से ज्यादा क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर सीमाएं लगा दी गई हैं। कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। कुछ इलाकों में लोगों को सिर्फ 20 से 30 लीटर तक ही पेट्रोल खरीदने की अनुमति है। वहीं साइबेरिया जैसे क्षेत्रों में अधिकतम 40 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है।

पाकिस्तान-तुर्किये की दोस्ती: व्यापार के साथ रक्षा संबंध बढ़ाने पर फोकस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के प्रति अपने देश के अटूट समर्थन को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने साफ कहा कि अंकारा की सफलता और इस्लामाबाद की प्रगति एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं। शनिवार को इस्तांबुल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन को द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा दिलाया। वहीं, राष्ट्रपति एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आर्थिक संबंधों की आधारशिला बताया। शहबाज शरीफ ने कहा, 'तुर्किये की सफलता ही पाकिस्तान की सफलता है और पाकिस्तान की तरक्की ही तुर्किये की तरक्की है।'

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, 'रक्षा उद्योग में हमारा सहयोग, जो हमारे आर्थिक संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, नए प्रोजेक्ट्स के साथ दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है।' इसके साथ ही उन्होंने तुर्किये के निवेशकों को पाकिस्तान में अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। एर्दोगन ने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऊर्जा, परिवहन, महत्वपूर्ण खनिजों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं। इस्लामाबाद और अंकारा ने अपने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब

डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.3 अरब डॉलर था। इस व्यापारिक अंतर को पाटने के लिए दोनों देशों के संबंधित मंत्रालय कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) बनाने पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 'पाकिस्तान-तुर्किये बिजनेस कॉन्फ्रेंस' ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि दोनों देशों के आर्थिक संबंध अब एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। दोनों देशों ने वर्तमान 1.3 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को सीधे 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। रक्षा क्षेत्र पर महा-फोकसः राष्ट्रपति एर्दोगन ने नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की असली रीढ़ करार दिया है। व्यापारिक और औद्योगिक सहयोग को जमीन पर उतारने के लिए कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान में तुर्किये का कुल निवेश लगभग 2 अरब डॉलर है, और तुर्किये कंपनियों ने वहां 3.5 अरब डॉलर के 72 प्रोजेक्ट्स हाथ में लिए हैं।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिराजुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका। शिकायत में पूर्व मुख्य सलाहकार यूनुस पर कर्तव्य में लापरवाही, कानून का उल्लंघन और लापरवाही के कारण मौतें होने का आरोप लगाया गया है। इसमें पूर्व अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और

तत्कालीन स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक मोहम्मद अबू जाफर को सहआरोपी बनाया गया है। कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जज 12 जुलाई को यह तय करेंगे कि शिकायत को स्वीकार किया जाए और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए या नहीं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दशकों में बांग्लादेश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप को लेकर कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों में सात और मौतों की जानकारी दी। इससे 15 मार्च से खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या 738 हो गई है।

आ रहा सुपर तूफान बावी, 280 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं और समुद्र में उठेंगी लहरें; अलर्ट जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रशांत महासागर क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह भीषण सुपर टाइफून के खतरे का सामना कर रहे हैं। साल 2026 में यह दूसरी बार है जब इस क्षेत्र पर किसी सुपर तूफान का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सुपर टाइफून बावी रविवार को टिनियन और रोता द्वीपों की ओर तेजी से बढ़ रहा था। अमेरिकी संयुक्त टाइफून चेतावनी केंद्र के अनुसार, तूफान की अधिकतम रफ्तार 169 मील प्रति घंटा (करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई है। इसे पांच स्तरों वाले सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर कैटेगरी-5 का तूफान माना गया है, जो सबसे विनाशकारी श्रेणी होती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि द्वीपों तक पहुंचने से पहले इसकी ताकत और भी बढ़ सकती है।

मौसम एजेंसी के मुताबिक, अधिकांश पूर्वानुमान यह संकेत दे

रहे हैं कि सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोता के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए तूफान की तीव्रता अनुमान से भी अधिक हो सकती है। इसी कारण प्रशासन ने लोगों को पहले से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के पूरी तरह गुजरने तक लोग मजबूत इमारतों के भीतर ही रहें और किसी भी स्थिति में बाहर निकलने की कोशिश न करें। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के गवर्नर ने सोशल मीडिया के जरिए नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें और तूफान के दौरान घरों या सुरक्षित आश्रय स्थलों से बाहर न निकलें। इस गंभीर खतरे को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के लिए आपातकालीन आपदा घोषणा को मंजूरी दे दी थी। इससे संघीय एजेंसियों को राहत सामग्री, संसाधन और आपदा प्रबंधन सहायता तेजी से उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह से गुजरने के बाद सुपर टाइफून बावी पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले वीकेंड तक ताइवान के लिए भी खतरा बन सकता है। अनुमान है कि उस समय इसकी रफ्तार कम होकर भी कम से कम 127 मील प्रति घंटा (करीब 204 किलोमीटर प्रति घंटा) रह सकती है, जो इसे कैटेगरी-3 का शक्तिशाली तूफान बनाए रखेगी। इसी साल अप्रैल में सुपर टाइफून सिनलाकू ने सैपन समेत उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। उस तूफान के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी और लोगों को पीने के पानी को उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह दी गई थी।

सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी हमारा दोस्त, जेडी वेंस के दावे का नेतन्याहू ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी उनका दोस्त है। इस तरह उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया में अमेरिका ही इजरायल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी बचा हुआ है। नेतन्याहू ने 'फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंग' कार्यक्रम में कहाकि इजरायल को भारत सहित कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त है।

नेतन्याहू ने कहाकि हमारे कुछ और मित्र भी हैं, जैसे भारत नाम का एक देश। आप जानते हैं, वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और, सच कहूं तो, हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान वेंस ने कहा था कि इजराइल को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति से जब उन खबरों के बारे में पूछा गया था कि इजरायली नेतृत्व अमेरिका-ईरान समझौते से नाखुश है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था कि यदि मैं इजरायल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो दुनिया में बचे अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें 'फेसबुक' पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि फेसबुक पर मुझे भारी समर्थन मिलता है। संभव है कि कई अन्य जगहों से भी मुझे समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज कर दिया कि इजराइल का कोई अन्य सहयोगी नहीं है। नेतन्याहू ने कहाकि हमारे बहुत से मित्र हैं। उन्होंने कहाकि कई देश इजरायल की उन्नत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहते हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि आप जानते हैं, कई नेता मुझे फोन करते हैं और कहते हैं, 'देखिए, हमारे यहां जनमत को लेकर कुछ मुश्किलें हैं, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपका सम्मान करते हैं। क्या हम कुछ करार कर सकते हैं? क्या आप हमें अपनी सेना की कुछ चीजें सिखा सकते हैं? और क्या हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता मिल सकती है?' नेतन्याहू ने कहाकि साइबर क्षेत्र में इजरायल दुनिया का दूसरा सबसे अग्रणी देश है और हमारी प्रौद्योगिकी बेहद उन्नत है। इसलिए हमारे संबंध वास्तव में वैसे नहीं हैं, जैसे बाहर से दिखाई देते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। इस बैठक में ईरान, क्षेत्रीय सुरक्षा और सऊदी अरब के साथ संबंधों पर चर्चा होगी। इजरायली मीडिया की खबरों के मुताबिक, नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान निकट भविष्य में अमेरिका में मिलने पर सहमति बनी थी।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का अत्याचार: हजारों प्रदर्शनकारियों पर बरसाई गोलियां, एक व्यक्ति की मौत; कई घायल

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शहबाज शरीफ सरकार के अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबालों ने कई जगह गोलियां बरसाईं। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई की हालत गंभीर है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के आह्वान पर रविवार को अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में 40 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी जुटे। शरीफ सरकार के जुल्म और 600 से अधिक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश चरम पर है। सरकार की ज्यादती के खिलाफ आंदोलन चला रहे जेएएसी ने इस्लामाबाद की निर्मम कार्रवाई को चुनौती देते हुए गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार नेताओं व कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की। जेएएसी ने कहा कि बुनियादी अधिकारों के लिए हो रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने डुडियाल में भीड़ पर बिना उकसावे के गोलियां चलाईं। वहीं, इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पीओके इकाई ने दावा किया कि डड्याल अंब में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों व प्रदर्शनकारियों में झड़प मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों-प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। जेएएसी ने एक्स पर लिखा कि सुरक्षाबलों ने गोलाबारी की। कई प्रदर्शनकारियों की बाइक क्षतिग्रस्त कर दीं। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके अलावा मनक पियन, संगी मेरा, तरीकाबाद, लोअर छत्रा और बेइला नूर शाह में भी झड़पें हुईं।

पिछले महीने मारे गए 30 प्रदर्शनकारी : पाकिस्तान पुलिस की हिंसक कार्रवाई में आठ जून को कम से कम 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने मेंढर, पुंछ, राजौरी, डोडा में रहने वालों से अपील की है कि उनकी तरफ राशन और दवाओं की कमी है। हमें आपकी मदद चाहिए।

रूस ने नाटो समिट से पहले यूक्रेन पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

कीव, एजेंसी। रूस ने सोमवार सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया. यह हमला तुर्की में होने वाले नाटो के अहम समिट से एक दिन पहले हुआ है. इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की एयर फोर्स ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और क्रूज मिसाइल शामिल थे. हमले के दौरान सुबह-सुबह सेंट्रल कीव में धमाकों की आवाजें सुनी गईं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के कम से कम दो जिलों में आग लगने या मलबे के गिरने से हुए नुकसान की खबर हैं. धमाकों से कुछ देर पहले ही राजधानी में एयर रेड सायरन चालू कर दिए गए थे. यह नया हमला यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की की रविवार की चेतावनी के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि इंटेलिजेंस से पता चला है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, 'इंटेलिजेंस एक बार फिर इशारा कर रही है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. यह पुतिन की खासियत है. अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के ठीक बाद और अंकारा में नाटो समिट से पहले रूस लोगों को मारना चाहता है.' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला पिछले गुरुवार को कीव पर रूस के एक बड़े हमले के बाद हुआ है, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गए थे. यह युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन की राजधानी पर तीसरा

सबसे जानलेवा हमला है. अंकारा में मंगलवार से शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में रूस के युद्ध पर चर्चा होने की उम्मीद है.

रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क इलाके में और ज़्यादा इलाके पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी है., जो क्रेमलिन का एक मुख्य मकसद है. साथ ही रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी इलाके के अंदर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और मिलिट्री फैक्ट्रियों सहित जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 4 जुलाई को लगभग 90 मिनट तक फोन पर बात हुई. रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान, ट्रंप ने फिर से यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में मदद की पेशकश की. जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम? यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)